हरिभूमि
रायपुर भूमि

दिल्ली में खराब मौसम ने रोकी उड़ानें
रायपुर की दो फ्लाइट का रात में कई घंटे इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दिल्ली में खराब मौसम और तेज हवाओं की वजह से विमान सेवाएं बुरी तरह प्रभावित रहीं। कई विमानों को डायवर्ट करना पड़ा। कई ने घंटों विलंब से उड़ान भरी। रायपुर एयरपोर्ट पर भी आधी रात तक इंडिगो और एयर इंडिया की दो फ्लाइट का इंतजार होता रहा। देर रात तक यात्री प्रतीक्षारत थे। रायपुर से उड़ान भरने इन विमानों को दिल्ली से आना था। इंडिगो की रायपुर से दिल्ली उड़ान रात 9.30 बजे थी। दिल्ली से यहां आने के बाद विमान को वापस दिल्ली जाना था, लेकिन खराब मौसम ने इंडिगो के इस विमान को देर रात तक रायपुर आने नहीं दिया। यात्री एयरपोर्ट पर परेशान होते रहे। उनको यह बताया जाता रहा कि दिल्ली से विमान आने के बाद उनको रवाना किया जाएगा। इसी तरह एयर इंडिया के ▶▶|शेष पेज 11 पर

महिला शिक्षार्थियों ने किया प्रदर्शन शौर्य का प्रतीक बना लाठी चालन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

वर्ग से सशक्त व्यक्तित्व और संगठन से समर्थ राष्ट्र की मध्यवर्ती कल्पना के साथ राष्ट्र सेविका समिति छत्तीसगढ़ का प्रवेश शिक्षा वर्ग और मध्य क्षेत्र का प्रबोध शिक्षा वर्ग विगत 13 मई से कृष्णा पब्लिक स्कूल सरोना में संचालित किया गया। इस 15 दिवसीय वर्ग का समापन समारोह अखिल

भारतीय प्रमुख कार्यवाहिका अन्नदानम सीताजी के सान्निध्य में सुभाष स्टेडियम में गुरुवार को हुआ। कुल 162 महिला शिक्षार्थियों ने 15 दिनों में सीखी गई सभी विधाओं का प्रदर्शन किया। इनमें लाठी चालन नारी शक्ति के शौर्य का प्रतीक बना। सुभाष स्टेडियम में राष्ट्र की मातृशक्ति के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास को ▶▶|शेष पेज 11 पर

खबर संक्षेप

आतंक फैलाने के आरोप में हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

रायपुर। पुरानी बस्ती पुलिस ने कुशालपुर के स्थानीय रहवासियों की शिकायत पर एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल किया है। पुलिस ने दिलीप मिश्रा नामक बदमाश को गिरफ्तार किया है। कुशालपुर तथा आसपास की कॉलोनी के रहवासियों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि दिलीप मिश्रा उनके क्षेत्र में आकर जबरन लोगों के साथ विवाद करने तथा मारने की धमकी देता था।

शेयर बाजार में रकम दोगुनी करने का झांसा

रायपुर। टिकरापारा थाने में एक युवक ने अज्ञात के खिलाफ शेयर बाजार में रकम दोगुनी करने का झांसा देकर 5.93 लाख रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। भगत सिंह चौक निवासी गिरधन लाल ओगरे ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। गिरधन ने पुलिस को बताया कि अज्ञात व्यक्ति ने गिरधन को कॉल कर शेयर बाजार में रकम दोगुनी करने का झांसा देकर अपने अकाउंट में रकम ट्रांसफर करा ली और ठगी का शिकार बनाया।

बाउंड्रीवॉल तोड़कर 90 हजार का सामान पार

रायपुर। धरसींवा थाने में एक भूमि स्वामी ने अज्ञात चोर के खिलाफ बाउंड्रीवॉल तोड़कर 90 हजार रुपए कीमत के पोल तथा अन्य सामग्री चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। कूंरा स्थित पासमीन रियाल्टी एलएल पिकर्स की ओर से सुशील कुमार सिंह ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। सुशील कुमार ने पुलिस को बताया कि अज्ञात चोर निर्माणाधीन बाउंड्री को तोड़कर 10 नग पोल, 72 नग प्री-कास्ट पाटिया चोरी कर ले गया।

घर खाली करने का विवाद महिला का सिर फोड़ा

रायपुर। आजाद चौक थाने में एक महिला ने अपनी बहन के बेटे के खिलाफ मकान खाली करने की विवाद पर ईंट से सिर फोड़ने तथा मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। तुर्की तालाब, ईदगाहभाठा निवासी पूर्णिमा ढीमर ने शंकर ढीमर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पूर्णिमा ने पुलिस को बताया कि वह गुरुवार सुबह पानी भरने गई थी। शंकर ने पूर्णिमा के सिर पर ईंट से वार कर उसका सिर फोड़ दिया और उसके साथ मारपीट की।

पानी मांगा, नहीं मिला तो विवाद हुआ, फिर पार्षद ने उसकी हत्या कर शव दफना दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/मंदिर हसौद

मंदिर हसौद इलाके में एक सप्ताह से लापता व्यक्ति की लाश मिलने से हड़कंप मच गया। जिस व्यक्ति की लाश मिली है, उसकी हत्या के आरोप में पुलिस ने एक निर्दलीय पार्षद सहित उसके चार साथियों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है, घटना के दिन मृतक तथा पार्षद आपस में शराब पी रहे थे। इस दौरान उनके बीच विवाद हो गया और पार्षद तथा उसके साथियों ने उसकी हत्या कर लाश रेत घाट में दफना दी थी। ऐसा कहा जा रहा है कि वार्ड के लिए पानी नहीं भेजे जाने पर मृतक का पार्षद के साथ विवाद हुआ था।

मोनेट कंपनी में ऑपरेटर का काम करने वाला नकटी निवासी भुवनेश्वर यादव की हत्या के आरोप में पुलिस ने निर्दलीय पार्षद नोहर दास रात्रे उर्फ गोलू तथा उसके तीन अन्य साथियों को ▶▶|शेष पेज 11 पर

पार्षद सहित चार को मंदिर हसौद पुलिस हिरासत में लेकर कर रही पूछताछ

मृतक 22 मई से लापता था, ग्रामीणों ने थाने का किया घेराव

इकलौता कमाने वाला था

मृतक भुनेश्वर यादव परिवार का एक मात्र कमाने वाला था। उसके छोटे-छोटे तीन बच्चे हैं जहां पिता के घर वापस नहीं लौटने से बच्चों की रो रो का बुरा हाल है और अब भुवनेश्वर की हत्या की घटना के बाद पूरे मोहल्ले में सन्नाटा पसरा हुआ है। हत्या की जानकारी मिलने के बाद नगर वासी मंदिर हसौद थाना घेराव करने पहुंचे और पुलिस प्रशासन पर आरोपियों को संरक्षण देने और उसे बचाने का आरोप लगाते रहे।

ऐसे खुला हत्या का राज

जांच में यह भी सामने आया है कि घटना दिनांक की शाम भुवनेश्वर यादव ने अपनी पत्नी से फोन पर बात की थी। उस दौरान उसने पार्षद से भी अपनी पत्नी की बात करवाई थी। इसके बाद भुवनेश्वर का मोबाइल बंद हो गया और वह अचानक लापता हो गया। बाद में पुलिस को मृतक का मोबाइल और अन्य सामान बरामद हुआ, जिससे जांच की दिशा बदल गई। घटना के बाद आक्रोषित ग्रामीणों ने थाने का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया।

इस बात को लेकर हुआ था विवाद

बताया जा रहा है, भुवनेश्वर के वार्ड में पानी नहीं आ रहा था, इसके लिए उसने अपने पार्षद नोहर दास को पानी की टैंकर भेजने के लिए कहा था। पानी टैंकर नहीं पहुंच पाने की नजह से भुवनेश्वर नाराज था और उसने नशे की हालत में पार्षद पर पानी टैंकर नहीं भेजने का आरोप लगाते हुए उसके साथ गाली-गलौज की। इस बात से नाराज होकर पार्षद ने अपने साथियों के साथ मिलकर भुवनेश्वर की हत्या कर दी।

छात्र को कुचलने के बाद टैंकर चालक ने नंबर प्लेट को पेंट से पोतवाया

सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस ने टैंकर चालक को किया गिरफ्तार

अचानक सामने से बाइक आने पर छात्र घबरा गया और टैंकर की चपेट में आ गया था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

विधानसभा थाना क्षेत्र के सड्डू में मंगलवार को 15 वर्षीय छात्र को टैंकर से कुचलने वाले टैंकर चालक को पुलिस ने घटना के दूसरे दिन सीसीटीवी कैमरों की मदद से पकड़ लिया। इस मामले में खुलासा हुआ है कि टैंकर चालक ने घटना के बाद पुलिस को चकमा देने, पहचन छिपाने तथा सबूत मिटाने अपने टैंकर के नंबर प्लेट को पेंट से पोतवा दिया था। अलग-अलग जगह मिले सीसीटीवी कैमरों से मिले फूटेज के आधार पर पुलिस ने टैंकर चालक की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी की है। महावीर शर्मा को टैंकर से कुचलने ▶▶|शेष पेज 11 पर

अचानक बाइक आने से घबरा गया

प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया है कि महावीर रोड किनारे पैदल अपने घर जा रहा था। इस दौरान महावीर के करीब से एक बाइक चालक निकला। इससे महावीर बुरी तरह घबरा गया। बाइक से बचने महावीर एक तरफ हटा, इसी दौरान वह तेज रफ्तार टैंकर की चपेट में आ गया। बताया जा रहा है, टैंकर की चपेट में आने के बाद महावीर एक झटके में खड़ा भी हो गया। खड़े होने के बाद महावीर बेदम होकर रोड पर गिर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद महावीर के माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है।

निगम का खजाना खाली वेतन, पेंशन, सफाई ठेकेदारों का बिल भरने पैसे नहीं

नगर निगम ने शासन से मांगे 161 करोड़

तीन साल से मुद्रांक शुल्क नहीं मिला, 63 करोड़ बकाया, बार लाइसेंस के 2 साल का 25 करोड़ लेना बाकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के सबसे बड़े नगर निगम कहे जाने वाले रायपुर नगर निगम का खजाना खाली हो गया है। कर्मचारियों, अधिकारियों के वेतन, पेंशन और सफाई कर्मचारी, सफाई ठेकेदारों के बकाया बिल चुकाने पैसे नहीं बचे हैं। ऐसे में नगर निगम प्रशासन ने राज्य शासन को पत्र लिखकर 161 करोड़ रुपए देने मांग की है। इनमें मुद्रांक शुल्क के रूप में 63 करोड़ और बार लाइसेंस शुल्क के रूप में 25 करोड़ की राशि नगर निगम को राज्य शासन से लेना बाकी है। ▶▶|शेष पेज 11 पर

तीन साल का मुद्रांक शुल्क बकाया

रायपुर नगर निगम को राज्य शासन से पिछले 3 साल का मुद्रांक शुल्क लेना बकाया है। यह राशि करीब 63 करोड़ है। इसके अलावा बार लायसेंस के रूप में 2 साल की बकाया राशि 25 करोड़ रुपए नगर निगम को शासन से लेना बाकी है। इसे देखते हुए शासन के पास 161 करोड़ रुपए का डिमांड पत्र भेजा गया है।

जुलाई सत्र के लिए दाखिले प्रारंभ, अपार आईडी अनिवार्य

इग्नू ने ऑनलाइन डिस्टेंस लर्निंग पाठ्यक्रम के लिए शुरू किए ऑनलाइन आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

देश की सबसे बड़ी ओपन यूनिवर्सिटी इग्नू ने लाखों छात्रों के लिए एडमिशन का रास्ता खोल दिया है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ने जुलाई 2026 सत्र के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू कर दी है। यूनिवर्सिटी ने ऑनलाइन डिस्टेंस लर्निंग और ऑनलाइन मोड में चलने वाले यूजी-पीजी सहित डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्सों में दाखिले के लिए आवेदन शुरू कर दिए हैं। इसके अंतर्गत एमबीए, एमसीए, बीसीए, एमए-एमकॉम जैसे कई लोकप्रिय ▶▶|शेष पेज 11 पर

छात्रवृत्ति के लिए दे सकेंगे अर्जी

इग्नू के मुताबिक, पात्र छात्र एडमिशन कन्फर्म होने के बाद भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए छात्रों को नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल की वेबसाइट पर जाकर आवेदन करना होगा। यूनिवर्सिटी में टेक्निकल, मैनेजमेंट, कंप्यूटर, सोशल साइंस, मीडिया, भाषा, पर्यटन, ग्रामीण विकास और लाइब्रेरी साइंस जैसे कई क्षेत्रों के कोर्स उपलब्ध हैं। ▶▶|शेष पेज 11 पर

बच्चियों के साथ मारपीट पकड़े नहीं गए आरोपी

रायपुर। डीडीनगर थाना क्षेत्र के सुंदर नगर स्थित प्रतिज्ञा विकास संस्थान (खुला आश्रय बालिका) में बच्चियों के साथ मारपीट करने वालों की पहचान नहीं हो पाने की वजह से आरोपियों की अब तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम आश्रम की जांच करने पहुंची थी, तब बच्चियों के साथ मारपीट करने के मामले का खुलासा हुआ था। इसके बाद टीम अज्ञात लोगों के खिलाफ थाने में रिपार्ट दर्ज कराने पहुंची। बच्चियों के साथ मारपीट प्रकरण में डीडीनगर थाने के टीआई से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि पुलिस की टीम जांच करने प्रतिज्ञा विकास संस्थान पहुंची थी, लेकिन वहां रह रही बच्चियां मारपीट करने वालों की शिनाख्त नहीं कर पाईं। इसके लिए पुलिस तथा महिला एवं बाल विकास की टीम बच्चियों के साथ काउंसिलिंग कर रही है।

खबर संक्षेप

ग्राम कपसदा को पानी टैंकर की सौगात मिली

धरसींवा। भीषण गर्मी के इस मौसम में जहां पूरा इलाका जल संकट से जूझ रहा है, वहीं औद्योगिक क्षेत्र की प्रमुख कंपनी फॉर्च्यून टी.एम.टी. एक बार फिर ग्राम कपसदा के ग्रामीणों के लिए तारणहार बनकर सामने आई है। वर्तमान में शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ अब ग्रामीण इलाकों में भी पानी की किल्लत धीरे-धीरे अपने पैर पसारने लगी है। इस गंभीर समस्या को देखते हुए ग्राम पंचायत कपसदा के माध्यम से ग्रामीणों ने पानी के टैंकर के लिए एक आवेदन प्रस्तुत किया था। जिस पर प्रबंधन ने तत्काल एक ब्रांड न्यू पानी टैंकर ग्रामीणों को सौंपा। कार्यक्रम में कंपनी प्रबंधन की ओर से मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) राजेश गौर एवं महाप्रबंधक विक्रम तंबोली उपस्थित थे। इस दौरान उपसरपंच संतोष निषाद, धन सिंह साहू, गोविंद साहू सहित भारी संख्या में पंचगण और प्रबुद्ध नागरिक मौजूद रहे। विधायक प्रतिनिधि सरस्वती साहू और सरपंच वीणा साहू ने आभार व्यक्त किया है।

पालिका का लक्ष्मी विहार में नल कनेक्शन प्रक्रिया शुरू

आरंग। लक्ष्मी विहार विकास समिति आरंग द्वारा विगत दिवस जनहित को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका में ज्ञापन देकर पालिका अध्यक्ष संदीप जैन एवं सीएमओ को इस समस्या से अवगत कराते हुए नल कनेक्शन की मांग की गई थी, ताकि रहवासियों को जलसंकट से मुक्ति मिल सके। इस गंभीर समस्या के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए त्वरित कार्रवाई कर 28 मई को पूजा-अर्चना व श्रीफल समर्पित कर नल कनेक्शन कार्य का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष पवन चंद्राकर, पूर्व अध्यक्ष मोहन साहू, मीडिया प्रवक्ता पं. छत्रधर दीवान, सतनाम सिंह टूटेजा, कमलकांत बंजारे, एस. के. तिवारी, अमरीका साहू, किरण दीवान, सीमा निषाद आदि ने इस पहल के लिए पालिका अध्यक्ष संदीप जैन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी शीतल चन्द्रवंशी के प्रति आभार प्रकट किया।

राज्य वुशू चैंपियनशिप में आरंग ने जीते तीन पदक

आरंग। 17वीं राज्य स्तरीय वुशू चैंपियनशिप 2026 में रायपुर जिला के आरंग ब्लॉक एकेडमी ऑफ स्पोर्ट्स, कराते सरस्वती ज्ञान दीप स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 पदक अपने नाम किए। छत्तीसगढ़ राज्य वुशू संघ द्वारा आयोजित 17वीं राज्य स्तरीय वुशू चैंपियनशिप का आयोजन 20 से 25 मई तक सेंट पैलोटी इंटरनेशनल रेसिडेंसी स्कूल, डोंगरगढ़ में किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों से लगभग 800 खिलाड़ियों ने अलग-अलग वजन एवं आयु वर्ग के ताऊलू और शांशु इवेंट में भाग लिया। आरंग ब्लॉक के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 1 गोल्ड, 1 सिल्वर एवं 1 ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। विजेताओं मे टीम इवेंट (दाऊशू तलवार) गोल्ड मेडल अदिति सिंह, एंजेल वर्मा, नानगून (स्टिक) इवेंट सिल्वर मेडल परिधि राजपूत, अपर्णा कश्यप, गरिमा पाल, शांशु फाइट इवेंट ब्रॉन्ज मेडल समुद्र राज बंजारे है। सभी खिलाड़ियों को रायपुर वुशू संघ के अध्यक्ष अनिल मिश्रा, स्कूल निदेशक अनूप नाथ योगी, स्कूल प्रिंसिपल देव कुमारी, कोच अब्दुल रहीम खान एवं गर्ल्स कोच कोपल योगी ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

गांधी स्कूल के समर कैंप में निशुल्क डेंटल एंड हेल्थ चेकअप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल आरंग के समर कैंप के तहत एक निःशुल्क हेल्थ एवं डेंटल चेकअप शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं दंत जांच विशेष अनुभवी डॉक्टरों द्वारा किया गया, जिससे बच्चों व अभिभावकों को समय रहते स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम में बच्चों का सामान्य शारीरिक परीक्षण, दांतों का निरीक्षण, दांतों की सफाई हेतु आवश्यक सुझाव एवं मौखिक स्वास्थ्य संबंधी सतर्कता के बारे में जानकारी दी गई। बच्चों के साथ उनके अभिभावकों ने भी इस शिविर का लाभ उठाया। शिविर में उपस्थित डॉक्टरों ने बच्चों के समग्र स्वास्थ्य, पोषण, मौखिक स्वच्छता एवं संक्रमण से बचाव के उपायों पर विशेष रूप से ध्यान दिया। इस कैंप में रिम्स हॉस्पिटल आरंग के डॉक्टरों की टीम उपस्थित थी, जिसमें डॉ. अरिहंत गोलछा (एम.डी. मेडिसिन), डॉ. अंशिका भट्ट (गाइनोकोलॉजिस्ट), डॉ. आस्था बंजारे (पीडियाट्रिक्स) एवं उनकी टीम ने स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा आवश्यक दवाइयां प्रदान कीं। कैंप में उपस्थित डॉक्टरों द्वारा बच्चों को जानकारी दी गई कि नियमित चेकअप से किसी भी स्वास्थ्य या दंत समस्या की शुरुआती पहचान हो जाती है, जिससे समय पर उपचार संभव होता है। दंत जांच एवं सफाई के माध्यम से कैविटी, मसूड़ों की सूजन एवं अन्य दंत समस्याओं से बचाव के उपाय बताए गए।

पालकों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी

अच्छी शिक्षा के साथ अच्छा स्वास्थ्य होना आवश्यक

बच्चों को दांतों की सफाई, ब्रश करने की सही तकनीक, संतुलित आहार एवं शर्करा युक्त खाद्य पदार्थों से बचाव के बारे में बताया गया। विद्यालय प्रबंधक ने कहा कि यह पहल बच्चों के समग्र विकास को ध्यान में रखकर की गई है तथा भविष्य में ऐसे निःशुल्क शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। अच्छी शिक्षा के साथ अच्छा स्वास्थ्य होना आवश्यक है। हम इस कैंप में बच्चों को भेजने के लिए अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हैं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक प्रियल साहू, खान सर, रामेश्वर पांडे, रामस्वरूप यादव, संतोषी साहू, हेमलता बेलगहे, चांदनी साहू एवं हुलसी साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मौसम : चौथे दिन भी भीषण गर्मी, दोपहर में सूनी रही सड़कें और बाजार

नौतपा का कहर जारी, तिल्दा-नेवरा में पारा 44.8 डिग्री के पार, लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा-नेवरा

नौतपा के चौथे दिन गुरुवार को भी तिल्दा-नेवरा भीषण गर्मी की चपेट में रहा। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार शहर का अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 30.8 डिग्री रहा। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण दोपहर के समय सड़कें और बाजार पूरी तरह सूने नजर आए। लोगों को घरों से बाहर निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

पिछले तीन दिनों के तापमान पर नजर डालें तो 25 मई को अधिकतम तापमान करीब 44 डिग्री और न्यूनतम 31 डिग्री दर्ज किया गया था। 26 मई को पारा बढ़कर 44.4 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि न्यूनतम तापमान 30 डिग्री रहा। 27 मई को अधिकतम तापमान 45 डिग्री के करीब दर्ज किया गया। वहीं 28 मई को भी गर्मी का असर बरकरार रहा और अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के मुताबिक नौतपा के चलते फिलहाल गर्मी से राहत मिलने के आसार कम हैं। दोपहर में तेज धूप और लू के कारण बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा। हालत यह रही कि दूर-दूर तक ना तो लोग नजर आए और ना ही जानवर। दुकानदारों ने भी गर्मी से बचने के लिए अपनी दुकानों के आधे शटर नीचे कर दिए।

लोग अपने जरूरी काम सुबह 10 बजे तक निपटा रहे हैं। इसके बाद शाम 7 बजे के बाद ही बाजारों में चहल-पहल दिखाई दे रही है। नेवरा निवासी धर्मेंद्र पटेल ने बताया कि सुबह 10 बजे के बाद बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। गर्म हवाओं के कारण लोग परेशान हैं और बाजारों में भीड़ काफी कम दिखाई दे रही है।

विश्वविद्यालय क्षेत्र में रहने वाली आरती मिश्रा ने कहा कि रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही है। कूलर और पंखे भी ज्यादा असर नहीं दिखा पा रहे हैं, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ गई है।

बीएमओ डॉ. सिन्हा ने लोगों को दोपहर में धूप से बचने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और जरूरी होने पर ही बाहर निकलने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

आने वाले तीन दिनों के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 29 मई को अधिकतम तापमान 44 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री रहने की संभावना है। 30 मई को अधिकतम तापमान 43 डिग्री और न्यूनतम 28 डिग्री रह सकता है। वहीं 31 मई को तापमान में हल्की गिरावट के साथ अधिकतम तापमान 42 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है। मौसम विभाग ने 30 और 31 मई को आंधी, गरज-चमक और हल्की बारिश की संभावना जताई है, जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है।

लखौली की भागवत कथा में पहुंचे पूर्व मंत्री डहरिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

ग्राम लखौली में हिरामन साहू द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में मंगलवार को श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक माहौल देखने को मिला। कथा आयोजन में छत्तीसगढ़ के पूर्व कैबिनेट मंत्री विशेष रूप से शामिल हुए। उन्होंने कथा स्थल पहुंचकर कथाव्यास का आशीर्वाद लिया तथा क्षेत्र और प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा पंडाल भक्तिमय वातावरण से सराबोर नजर आया। डॉ. डहरिया ने अपने उद्बोधन में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनके आदर्शों का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान कृष्ण सदैव न्याय, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में समाज को भगवान कृष्ण के विचारों और उनके आचरण को अपनाने की सबसे अधिक आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को संस्कार, सद्भाव और मानवता का संदेश देने का माध्यम है। ऐसे आयोजनों से लोगों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और सामाजिक एकता मजबूत होती है। डॉ. डहरिया ने कथा आयोजन के लिए हिरामन साहू एवं आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि धार्मिक कार्यक्रम समाज में नैतिक मूल्यों को जीवित रखने का कार्य करते हैं। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से कथा श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

मॉक ड्रिल में इमरजेंसी हालात से निपटने का किया अभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कूरा

जायसवाल नेको इंडस्ट्रीज लिमिटेड, सिलतरा, रायपुर में इमरजेंसी मॉक ड्रिल सफलतापूर्वक की गई। प्लांट में सेफ्टी कल्चर को और मजबूत करने के लिए, 25 मई को एक पूरी प्रोपेन गैस लीक मॉक ड्रिल सफलतापूर्वक की गई। इस एक्सरसाइज में सभी संबंधित डिपार्टमेंट और कर्मचारियों को सेफ्टी उपायों और इमरजेंसी रिस्पॉन्स प्रोसीजर के बारे में डिटेल में जानकारी दी गई।

इस मॉक ड्रिल का मुख्य मकसद कर्मचारियों को इमरजेंसी स्थितियों में सुरक्षित और असरदार प्रोसीजर अपनाने की ट्रेनिंग देना और उनकी तैयारी, कोऑर्डिनेशन की क्षमता और डिजास्टर मैनेजमेंट की क्षमता का मूल्यांकन करना था। पड़ोसी कंपनियों सारदा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड और इस्पात गोदावरी लिमिटेड (म्यूचुअल एड पार्टनर्स) की इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमों ने इमरजेंसी की स्थिति में तेज़ी से और असरदार तरीके से रिस्पॉन्स दिखाया। मॉक ड्रिल के दौरान, प्रभावित लोगों को तुरंत एम्बुलेंस से बचाया गया और सुरक्षित रूप से प्लांट पहुंचाया गया।

■ प्लांट में भर्ती लोगों को सुरक्षित निकाला गया

लीक साइट के आस-पास काम कर रहे सभी कर्मचारियों को सुरक्षित रूप से निकाला गया और सबसे पास की असेंबली पॉइंट पर इकट्ठा किया गया, जो सुरक्षित दूरी पर थी। हेड काउंट प्रोसीजर से यह पक्का हुआ कि प्लांट में भर्ती दो प्रभावित लोगों को छोड़कर, 100% लोगों को सफलतापूर्वक निकाला गया।

विवेक चेलकर, फैक्ट्री असिस्टेंट डायरेक्टर, अलग-अलग डिपार्टमेंट के इंटरनल हेड्स ऑफ डिपार्टमेंट्स और म्यूचुअल एड पार्टनर्स के एक्सपर्ट्स इस एक्सरसाइज के दौरान ऑब्जर्वर के तौर पर मौजूद थे। सभी ऑब्जर्वर ने पूरी मॉक ड्रिल को करीब से मॉनिटर किया और इमरजेंसी में तुरंत और असरदार रिस्पॉन्स पक्का करने के लिए ज़रूरी सुझाव और गाइडेंस दिए।

नाली निर्माण के लिए किया रविदासनगर में भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

नगर पालिका परिषद आरंग द्वारा शहरी विकास और जनसुविधाओं के विस्तार की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में वार्ड क्र. 15, रविदास नगर के रहवासियों को लंबे समय से हो रही जलभराव की समस्या से जल्द ही निजात मिलने वाली है। वार्ड में खेमा के घर से लेकर बलराम के घर तक बनने वाली नाली निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन द्वारा किया गया। 3.50 लाख की लागत से स्वीकृत इस निर्माण कार्य के शुरू होने से स्थानीय नागरिकों में उत्साह देखा जा रहा है। भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन ने कहा कि आरंग के प्रत्येक वार्ड का समग्र विकास और नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना परिषद का मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि बारिश के दिनों में जल निकासी की समस्या से नागरिकों को परेशानी न हो, इसके लिए समय रहते नालियों और सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है। गुणवत्ता के साथ इस कार्य को समय-सीमा के भीतर पूरा कराया जाएगा। इस विकास कार्य के शुभारंभ अवसर पर चर्म शिल्पकार बोर्ड के अध्यक्ष ध्रुव मिर्धा एवं वरिष्ठ भाजपा नेता के. के. भारद्वाज विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने नारियल फोड़कर और गैंती चलाकर कार्य की शुरुआत की। इस दौरान सोसायटी अध्यक्ष गणेश साहू, खूबचंद साहू, नरेन्द्र लल्ला साहनी, टिकेश्वर धृतलहरे, नागेश सोनवानी, सुरेश निषाद और अशोक यादव सहित वार्ड के प्रमुख नागरिक मौजूद थे।रविदास नगर में विकास कार्य की शुरुआत होने पर वार्ड की महिलाओं और युवाओं ने हर्ष व्यक्त किया। कार्यक्रम में द्रोपती मिर्धा, गौरी भाई सोनवानी, ललिता रात्रे सहित बड़ी संख्या में मोहल्लेवासी उपस्थित थे, जिन्होंने इस जनहितैषी कार्य के लिए नगर पालिका प्रशासन और अध्यक्ष के प्रति आभार प्रकट किया।

दरगाह में शेड निर्माण के लिए किया भूमिपूजन

आरंग। सद्भाव और विकास की राह पर आगे बढ़ रहे आरंग शहर में ईद-उल-जुहा (बकरीद) का त्योहार खास अंदाज में मनाया गया। इस मुकद्दस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन ने केवशी तालाब स्थित हजरत मुशा शहीद रहमतुल्लाह अलैह दरगाह पहुंचकर क्षेत्रवासियों को 9.95 लाख की लागत से बनने वाले शेड निर्माण कार्य की सौगात दी। उन्होंने विधि-विधान के साथ विकास कार्य का भूमिपूजन किया, जिससे दरगाह आने वाले जायरीनों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी। त्योहार के पावन अवसर पर डॉ. संदीप जैन ने दरगाह शरीफ में अकीदत के फूल और चादर पेश की। उन्होंने आरंग की समस्त जनता की खुशहाली, तरक्की, आपसी भाईचारे और सुख-चैन के लिए दुआ मांगी। इबादत के बाद पालिका अध्यक्ष ने वहां मौजूद मुस्लिम समाज के लोगों को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। इस गरिमामयी अवसर पर मुस्लिम जमात के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सदर हाजी हबीब गोरी, नायब सदर मोहम्मद शकील भाटी, सेक्रेटरी अब्दुल सलाम तंवर और खजांची अहमद रजा तंवर उपस्थित थे। साथ ही समाज के प्रमुख चेहरे मोहम्मद जावेद अली, मोहम्मद अनीस चौहान, मोहम्मद जाहिद राजा गोरी गोलू, मोहम्मद अमन भाटी, मोहम्मद निजाम खान, रिजवान उल्ला खान, हाजी रफीक चौहान, अकील गोरी, शब्बीर चौहान, समीर चौहान, ताज भाटी, सद्दाम हुसैन, अकील भुरू तवर, रजा चौहान, शमीम तवर, जाकिर तवर, हाजी मोहम्मद जमील तंवर, नरेन्द्र लल्ला साहनी, गुड्डू गोरी, वकील गोरी, ताज गोरी, रफीक चौहान, मस्तान गोरी, इरफान गोरी, समीर चौहान, गोलू भाटी और कादिर ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। शेड निर्माण की इस सौगात के लिए मुस्लिम जमात ने पालिका अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए इसे नगर विकास के लिए सराहनीय कदम बताया।

छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना एवं जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने कहा- आदिवासियों का अपमान बर्दाश्त नहीं

आदिवासी समाज पर अभद्र टिप्पणी का विरोध, रिपोर्ट दर्ज करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कूरा

28 मई को छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना एवं जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता धरसींवा थाना पहुंचकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आदिवासी समाज के खिलाफ अभद्र टिप्पणी एवं गाली-गलौज करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध FIR दर्ज करने हेतु ज्ञापन सौंपे। प्रेस वार्ता के दौरान संगठन के प्रतिनिधियों ने कहा कि डोंगरगढ़ बमलाई दाई मामले को लेकर सोशल मीडिया में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा आदिवासी समाज के ऊपर बेहद आपत्तिजनक, अशोभनीय एवं अपमानजनक टिप्पणियां की गई हैं, जिससे पूरे आदिवासी समाज एवं छत्तीसगढ़िया समाज की भावनाएं आहत हुई हैं।

आदिवासी छत्तीसगढ़ की आत्मा

आदिवासी समाज छत्तीसगढ़ की आत्मा है। जो समाज सदियों से देवी-देवताओं, संस्कृति एवं परंपराओं की रक्षा करता आया है, उस समाज के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वालों को अब कानून एवं समाज दोनों करारा जवाब देंगे। छत्तीसगढ़िया समाज एकजुट है और अपनी माटी, संस्कृति एवं सम्मान की रक्षा के लिए हर लड़ाई लड़ेगा।

संगठन ने कहा कि इस प्रकार के बयान समाज में नफरत एवं वैमनस्य फैलाने का प्रयास हैं, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि डोंगरगढ़ स्थित मां बमलाई दाई धाम में आदिवासी समाज की परंपरा, पूजा-पद्धति एवं राज बैगा व्यवस्था का इतिहास सदियों से जुड़ा हुआ है। आज भी गांव-गांव में ग्राम देवता पूजा, महामाई डुकाना, शीतला दाई में भानपुर चढ़ाना, जंवारा स्थापना, देवी-देवताओं की पूजा एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठान आदिवासी समाज की पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न होते हैं। आदिवासी समाज पीढ़ी दर पीढ़ी अपनी संस्कृति, लोक परंपरा एवं देवी-देवताओं की सेवा एवं संरक्षण करता आ रहा है। अंत में संगठन द्वारा संदेश दिया गया।

समाज विशेष के खिलाफ नफरत फैलाने की कोशिश

छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना एवं जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने कहा कि आदिवासी समाज छत्तीसगढ़ की मूल पहचान है। जल, जंगल, जमीन, लोक संस्कृति, देवी-देवता एवं ग्राम परंपराओं के संरक्षण में आदिवासी समाज का योगदान अतुलनीय है। ऐसे समाज के खिलाफ सोशल मीडिया में गाली-गलौज एवं अभद्र टिप्पणी करना केवल एक समाज का नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं अस्मिता का अपमान है। संगठन द्वारा प्रशासन से मांग की गई कि सोशल मीडिया में आदिवासी समाज के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर तत्काल FIR दर्ज करते हुए कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर समाज विशेष के खिलाफ नफरत फैलाने वाले तत्वों पर सख्त निगरानी रखी जाए, ताकि प्रदेश में सामाजिक भाईचारा एवं शांति व्यवस्था बनी रहे। प्रेस वार्ता के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना एवं जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी हमेशा आदिवासी समाज, किसान, मजदूर एवं समस्त छत्तीसगढ़िया समाज के मान-सम्मान एवं अधिकारों के लिए संघर्ष करती रहेगी। समाज के खिलाफ अन्याय, अपमान एवं सांस्कृतिक हमलों के विरुद्ध संगठन हमेशा मजबूती से खड़ा रहेगा।

धान की खेती के बदले औषधीय पौधों की खेती विषय पर कार्यशाला

रायपुर। छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान भवन रायपुर में अभनपुर क्षेत्र के किसानों की धान की खेती के बदले औषधीय पौधों की खेती विषय पर कार्यशाला हुई। इस दौरान बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला ने मां सरस्वती की पूजा-अर्चना कर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात उपाध्यक्ष का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। उपाध्यक्ष श्री शुक्ला ने अपने उद्बोधन मे अभनपुर ब्लाक से आए सभी किसानों को शासन की योजनाओं के बारे में एवं औषधीय पौधों से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी। बोर्ड द्वारा किसानों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें भ्रमण अध्ययन भी कराएंगे। उपाध्यक्ष श्री शुक्ला ने सभी को निशुल्क औषधीय पौधे वितरित किए।

न्यायालय तहसीलदार अभनपुर
मामले की श्रेणी: राजस्व
संदर्भ:- जिला- **रायपुर** तहसील- **अभनपुर** प.ह.न.- 00021 **अभनपुर** ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक - **RD202526441630800096**

// ईश्तहार //

तहसील अभनपुर के प.ह.न. 00021 के अंतर्गत ग्राम अभनपुर के वर्तमान भूमिस्वामी फेकन बाई पिता/पति- जौ.देवराज पता-सा.देह के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 310/4(0.2510), 966/9(0.4150) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता लीलाराम सेन पिता/पति-गुलाल सेन पता-वार्ड नं. 06 अभनपुर तहसील अभनपुर जिला रायपुर छ.ग. के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण /अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 17/06/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान **न्यायालय तहसीलदार अभनपुर** पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता/आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 26.05.2026 को जारी किया जाता है।

मुहर
तहसीलदार:-SITA SHUKLA
तहसील-अभनपुर

शहरी नियोजन सुधारों से निवेश और विकास को मिलेगी नई गति

भूमि उपयोग, भवन अनुमति और डिजिटल स्वीकृति प्रणाली में होंगे बड़े बदलाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस सुधारों का दायरा अब केवल उद्योग और कर व्यवस्था तक सीमित नहीं रह गया है। अब केंद्र सरकार का फोकस शहरी नियोजन, भूमि उपयोग और निर्माण स्वीकृति प्रक्रियाओं को आधुनिक, पारदर्शी और निवेश-अनुकूल बनाने पर है। इसी दिशा में केंद्र सरकार के कैबिनेट सचिवालय द्वारा "अनुपालन कमी और विनियमन में ढील" के तहत राज्यों को महत्वपूर्ण सुधार लागू करने की सिफारिश की गई है। इन सुधारों का उद्देश्य शहरों को अधिक लचीला, निवेश-तैयार और आर्थिक गतिविधियों के अनुरूप बनाना है, ताकि उद्योग, आवास, वाणिज्यिक गतिविधियां और आधुनिक शहरी विकास को नई गति मिल सके। राज्यों को "डिमांड-ड्रिवन भूमि उपयोग प्रणाली" अपनाने की सलाह दी है, "जो प्रतिबंधित नहीं है, वह अनुमति प्राप्त है" के सिद्धांत पर आधारित है। इसके तहत प्रत्येक क्षेत्र में केवल प्रतिबंधित गतिविधियों की "नेगेटिव लिस्ट" तय की जाएगी, जबकि अन्य सभी गतिविधियों को स्वतः अनुमति प्राप्त होगी। इस व्यवस्था से भूमि उपयोग परिवर्तन की जटिल और लंबी प्रक्रियाएं कम होंगी तथा निवेशकों को अधिक स्पष्टता और सुविधा मिलेगी। राज्य सरकार ने भी शहरी नियोजन और निर्माण स्वीकृति प्रणाली को आधुनिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप राज्य में छत्तीसगढ़ भूमि विकास

नियम में आवश्यक संशोधन किए गए हैं। विभागीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य शासन द्वारा "फ्लेक्सिबल जोनिंग फ्रेमवर्क" को बढ़ावा देते हुए मिश्रित भूमि उपयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

भूमि उपयोग परिवर्तन प्रक्रिया हुई सरल और डिजिटल

राज्य सरकार ने भूमि उपयोग परिवर्तन प्रक्रिया को भी सरल और डिजिटाइज करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार नगर निगम, नगरपालिका, नगर पंचायत क्षेत्रों तथा उनकी बाहरी सीमाओं से लगे निर्धारित क्षेत्रों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ श्रेणियों की भूमि के व्यपवर्तन के लिए सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति की आवश्यकता समाप्त की गई है। साथ ही ऑनलाइन सिंगल विंडो प्रणाली, सभी एनओसी को ऑनलाइन पोर्टल से जोड़ने तथा निर्धारित समय सीमा में स्वीकृति न मिलने पर डिमांड एप्रूवल जैसे प्रावधानों की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

आवासीय क्षेत्र में ये उद्योग रहेंगे प्रतिबंधित

संशोधित प्रावधानों के अनुसार आवासीय क्षेत्रों में रेड, ऑरेंज, ग्रीन एवं ब्लू श्रेणी के उद्योगों को प्रतिबंधित किया गया है, जबकि वाणिज्यिक क्षेत्रों में केवल रेड एवं ऑरेंज श्रेणी के उद्योगों पर प्रतिबंध रहेगा। उद्योगों का वर्गीकरण छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार किया जाएगा। इसके साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों में उद्योगों से जुड़े कर्मचारियों के लिए अधिकतम 60 वर्गमीटर तक के किफायती आवास निर्माण की अनुमति दी गई है। इसके लिए अधिकतम एफएआर 2.0 तथा 70 प्रतिशत भू-उपयोग की अनुमति होगी। यह उद्योग आधारित किफायती आवास परियोजनाओं को गति देगी।

भवन स्वीकृतियों में आएगी पारदर्शिता और तेजी

जानकारी के अनुसार भवन निर्माण स्वीकृतियों में देरी को समाप्त करने राज्य सरकार ने निरीक्षण एवं अनुमोदन प्रक्रिया में भी महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम में संशोधन कर प्लींथ सर्टिफिकेट, कंप्लीशन सर्टिफिकेट और आक्यूपाई सर्टिफिकेट जारी करने की समय-सीमा निर्धारित की गई है। नए प्रावधानों के तहत निरीक्षण के चार दिस के भीतर किया जाएगा तथा निरीक्षण रिपोर्ट 48 घंटे में प्रस्तुत करनी होगी। साथ ही तृतीय पक्ष एजेंसियों के माध्यम से संयुक्त निरीक्षण तथा आर्किटेक्ट आधारित सेल्फ सर्टिफिकेशन व्यवस्था को भी बढ़ावा दिया गया है।

भवन अनुमति सिस्टम डिजिटल होगा

राज्य सरकार ने भवन अनुमति प्रणाली को पूर्णतः डिजिटल बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। एएलबीपीएमएस सॉफ्टवेयर के माध्यम से अब ऑनलाइन आवेदन, एकीकृत भुगतान प्रणाली, डिजिटल हस्ताक्षरित भवन योजनाएं, ऑटो-डीसीआर द्वारा स्वचालित भवन परीक्षण, निर्माण प्रारंभ एवं पूर्णता की ई-सूचना तथा डिजिटल आक्यूपाई एवं कंप्लीशन सर्टिफिकेट जारी करने जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

खबर संक्षेप

सिंधी पंचायत ने सदस्यों को दी नई जिम्मेदारी

रायपुर। पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत की बैठक में अध्यक्ष महेश दरयानी, महासचिव बलराम पी. आहूजा एवं कोषाध्यक्ष कैलाश बालानी की अनुशंसा पर सिंधी समाज की प्रदेश पंचायत में मनोहर चंदनानी को प्रमुख सलाहकार, गौरव मंधानी को सह प्रवक्ता, अमर चंदनानी को सचिव पद से पदोन्नत कर उपाध्यक्ष, राजा संतवानी को उपाध्यक्ष, रतन वल्र्यानी को सचिव, राजू चंदानी व विकास तनवानी को सचिव, सागर खटवानी तथा मनीष आहूजा को सहसचिव का नवीन दायित्व निर्वाहन पत्र मुखीजनों द्वारा सौंपा गया।

तेलीबांधा तालाब में माता कर्मा या तेलिन दाई की मूर्ति लगाएं : कांग्रेस

रायपुर। तेलीबांधा तालाब के पास विनायक दामोदर सावरकर की मूर्ति लगाने के प्रस्ताव का कांग्रेस ने विरोध किया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, तेलीबांधा तालाब छत्तीसगढ़ की धरोहर है। छत्तीसगढ़ के लोगों विशेषकर साहू समाज की भावनायें तेलीबांधा तालाब से जुड़ी हुई हैं। यहां पर नाम भक्त माता कर्मा या तेलिन दाई की मूर्ति लगाई जाए। उन्होंने कहा, जो सावरकर गाय को गौमाता मानने का विरोध करते थे तथा गाय को एक चौपाया जानवर के अतिरिक्त कुछ नहीं मानते थे, उनको भाजपा, आरएसएस जबरिया हिन्दुत्व का पैरोकार बनाती है। सावरकर ने जेल से छूटने के लिए तथा जेल से छूटने के बाद आजादी की लड़ाई का भी विरोध किया था। गांधीजी और कांग्रेस का विरोध करने मात्र के लिए भाजपाई उनको महिमा मंडित करते हैं। उनकी मूर्ति तेलीबांधा तालाब में लगाया जाना गलत है। प्रदेश के सबसे बड़े समाज की भावनाओं का अपमान भी है। उनकी मूर्ति तेलीबांधा तालाब पर लगाये जाने का कोई भी उचित कारण नहीं है। अंग्रेजी सरकार से माफी मांगने वाले, अंग्रेजी सरकार से वजीफा लेने वाले माफीवीर की मूर्ति की जरूरत छत्तीसगढ़ में नहीं है।

भारत माला मुआवजा घोटाला की दोबारा जांच के लिए संभाग कमिश्नर ने बनाई दो टीमें

पहली जांच में उठे सवाल, नई कमेटी बने महीनाभर बीता, अब तक शुरू हो नहीं पाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर और धमतरी जिले में भारतमाला परियोजना में बड़ा मुआवजा घोटाला हुआ है। इस मामले ने जब तूल पकड़ा, तो शासन के निर्देश पर तत्कालीन संभाग कमिश्नर महादेव कावरे ने जिन किसानों को मुआवजा नहीं या कम मिला तथा अन्य किसी प्रकार की गड़बड़ी से संबंधित दावा-आपत्तियां मंगाई थीं।

इन आवेदनों के आधार पर चार समितियां बनाकर इसकी जांच कराई गई। जांच के लिए 6 बिंदु भी तय किए गए थे। जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट शासन को सौंपी गई। हालांकि इस जांच रिपोर्ट पर विपक्षी दलों के विधायकों ने यह कहकर आपत्ति जताई थी कि कई अहम बिंदुओं पर जांच ही नहीं की गई है, इसलिए इसकी दोबारा जांच होनी चाहिए। इसके बाद अब इस मामले में दोबारा जांच समितियां बनाई गई हैं, जिसे बने हुए माहभर हो चुका है, लेकिन जांच अब तक शुरू नहीं हो पाई है।

पहली जांच में 40 ग्रामों से आई थी दावा-आपत्ति

संभाग कमिश्नर महादेव कावरे के कार्यकाल में भारत माला मुआवजा घोटाला मामले में 40 ग्रामों से दावा-आपत्तियां आई थीं। इसके अलावा कई शिकायतें भी आई थीं, लेकिन जांच समितियों ने सिर्फ दावा-आपत्ति से संबंधित आवेदनों के आधार पर जांच की थी। यह जांच समितियां 16 जून को गठित की गई थीं। इन समितियों में रायपुर और धमतरी जिले के सक्षम अधिकारी से लेकर विभिन्न तहसील क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी शामिल किए गए थे।

फाइल फोटो

ईडी की एंट्री के बाद कई राज खुल रहे

इधर इस घोटाला मामले में पहले से ईओडब्ल्यू-एसीबी की टीम जांच कर रही है, वहीं जांच में तत्कालीन एसडीओ निर्भय साहू के खिलाफ ईओडब्ल्यू द्वारा की गई एफआईआर के बाद इस मामले में ईडी ने भी एंट्री मारी और प्रदेश के पूर्व मंत्री व कुरुद विधायक अजय चंद्राकर के चचेरे भाई भूपेंद्र चंद्राकर, राइस मिल एसोसिएशन के पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष रोशन चंद्राकर, गोपाल गांधी के ठिकानों पर छापेमारी की, जिसमें ईडी को कई अहम जानकारियां मिली हैं। संभावना यह भी है कि ईडी की इस जांच के बाद रायपुर और धमतरी जिले के लिए संभाग कमिश्नर ने अलग-अलग दो टीम गठित की है।

कमिश्नर भी बदले पर जांच शुरू नहीं

जांच समिति बने एक माह से अधिक समय हो चुका है। इस बीच रायपुर संभाग के कमिश्नर भी बदल चुके हैं। महादेव कावरे की जगह श्याम धावड़े ले चुके हैं। सूत्रों से पता चला है कि नए कमिश्नर को पदभार ग्रहण किए भी लगभग सप्ताहभर हो चुका है, लेकिन उनके आने के बाद भी समितियों ने जांच शुरू नहीं की है।

जमीन का बटांकन कब और कैसे इसकी भी जांच

जांच समिति में मैं भी शामिल हूं। पूर्व में हुई जांच आवेदनों के आधार पर की गयी थी। अब परियोजना में प्रभावित हुए किसानों के एक-एक खसरा नंबर जमीन के आधार पर होना है। जमीन का बटांकन कब और कैसे हुआ, इसकी भी जांच की जाएगी।

– रवि सिंह
एसडीएम, अभनपुर

तीन माह विलंब से पेश की गई थी रिपोर्ट

संभाग कमिश्नर ने चारों समितियों को एक माह में जांच पूरी कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए थे, लेकिन समितियों ने जांच प्रारंभ करने में ही एक महीना से अधिक समय लगा दिया। इसके कारण जांच पूरी करने में लगभग चार माह का समय लग गया। इसे लेकर संभाग कमिश्नर ने भी समितियों पर गहरी नाराजगी जताई थी। जांच पूरी होने के बाद भी इस रिपोर्ट पर कई सवाल उठे। विधानसभा में इस रिपोर्ट पर विपक्षी दल के विधायकों ने अधूरी जांच होना बताया और कहा कि कई अहम बिंदुओं पर जांच नहीं की गई हैं, इसलिए जांच दोबारा किए जाने की मांग की थी।

अब एक-एक खसरा नंबर भूमि की होनी है जांच

शासन के निर्देश पर तत्कालीन कमिश्नर महादेव कावरे ने अप्रैल 2026 में दोबारा इस मामले में जांच करने के लिए दो समिति गठित की है। इस कमेटी में भी कई सक्षम अधिकारी वहीं हैं, जो पुरानी समितियों में थे। इस बार जांच के लिए पुराने तय 6 बिंदुओं के अलावा अन्य कुछ बिंदुओं को भी शामिल किया गया है। इसके तहत अब इस परियोजना से प्रभावित सभी किसानों की एक-एक खसरा नंबर की भूमि की भी जांच होगी और यह पता लगाया जाएगा कि जमीन का बटांकन कब और कैसे हुआ।

बिरगांव कांग्रेस कमेटी ने ब्लाक कार्यकारिणी एवं बूथ अध्यक्षों को दिया नियुक्ति पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बिरगांव ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष वरिष्ठ कांग्रेस नेता योगेंद्र सोलंकी द्वारा संगठन विस्तार एवं मजबूती के उद्देश्य से ब्लाक कार्यकारिणी एवं बूथ अध्यक्षों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने कहा, कांग्रेस पार्टी की असली ताकत बूथ स्तर के कार्यकर्ता हैं। मजबूत बूथ संगठन के माध्यम से ही पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने सभी नव नियुक्त ब्लॉक कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को एवं बूथ अध्यक्षों से जनता के बीच निरंतर सक्रिय रहकर संगठन को और सशक्त बनाने का आग्रह किया। कांग्रेस नेता पंकज शर्मा ने कहा, कांग्रेस कार्यकर्ता हमेशा जनता की आवाज बनकर कार्य करते हैं। संगठन ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ निभाना सभी की जिम्मेदारी है। बिरगांव नगर निगम के महापौर नंदलाल देवांगन ने कहा, कांग्रेस पार्टी सदैव गरीब, किसान, मजदूर एवं आम जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है। बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत कर आगामी समय में कांग्रेस को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा।

ये थे मौजूद : कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने केक काटकर पंकज शर्मा का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष छबी धीवर, सतीश सिंह, सुरेंद्र यादव, राजाराम देवांगन, अविनाश निहाल, मंडल अध्यक्ष ज्वाला गोस्वामी, प्रमोद गौतम, प्रवेश पांडे, शेख बसीर, सुषमा वर्मा, रानी गोस्वामी, पुष्प लता वैष्णव, लूकेश्वरी लखन साहू, वैशाखु सागर, मोहन बंजारे, सहित ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारी बूथ कांग्रेस अध्यक्ष, मंडल कांग्रेस के पदाधिकारी और सैकड़ो कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नए शैक्षणिक सत्र के लिए स्थानांतरण नीति नहीं, शिक्षक परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने राज्य के हजारों शिक्षकों और शासकीय कर्मचारियों के लिए छत्तीसगढ़ सरकार से स्थानांतरण नीति 2026 शीघ्र जारी करने की मांग की है। एसोसिएशन ने इस संबंध में शासन सहित सामान्य प्रशासन विभाग को एक मांग पत्र प्रेषित किया है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा, छत्तीसगढ़ राज्य में शिक्षकों और शासकीय कर्मचारियों के स्थानांतरण के लिए समय-समय पर स्थानांतरण नीति जारी की जाती रही है। वर्तमान शैक्षणिक सत्र और वित्तीय वर्ष 2026-27 शुरू होने के बावजूद अब तक स्थानांतरण नीति 2026 जारी नहीं की गई है। इसके चलते हजारों शिक्षक और कर्मचारी अपनी पदस्थापना और स्थानांतरण को लेकर अनिश्चितता और असमंजस की स्थिति में हैं। शिक्षक संघ का मानना है कि यदि सरकार इस विषय पर त्वरित और सहानुभूतिपूर्वक निर्णय लेकर सामान्य प्रशासन विभाग के माध्यम से नीति जारी करती है, तो इससे न केवल हजारों कर्मचारियों को बड़ी राहत मिलेगी, बल्कि शासकीय और शैक्षणिक कार्यों में भी प्रशासनिक गति आएगी।

पारिवारिक स्थिति का रखें ध्यान

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने स्थानांतरण नीति के लिए कुछ सुझाव भी सामने रखे हैं। स्थानांतरण नीति में पारदर्शिता, वरिष्ठता, पारिवारिक स्थिति, दिव्यांगता, महिला कर्मचारियों की सहूलियत, गंभीर चिकित्सकीय आधार और दुर्गम क्षेत्रों में सेवा अवधि जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं को स्पष्ट रूप से शामिल करने की मांग की गई है। इसके अलावा भ्रष्टाचार और अनावश्यक देरी पर लगाम कसने के लिए पूरी स्थानांतरण प्रक्रिया ऑनलाइन आवेदन और निष्पक्ष काउंसलिंग के माध्यम से पूरी करने, नीति जारी करने के साथ ही पूरी प्रक्रिया को समय पर संपन्न कराने के लिए एक निश्चित कैलेंडर जारी करने का भी सुझाव संघ की ओर से दिया गया है, ताकि शासकीय कार्यों में गति आ सके।

धान की खेती के बदले औषधीय पौधों की खेती विषय पर कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान भवन रायपुर में अभनपुर क्षेत्र के किसानों की धान की खेती के बदले औषधीय पौधों की खेती विषय पर कार्यशाला हुई। इस दौरान बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला ने मां सरस्वती की पूजा-अर्चना कर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात उपाध्यक्ष का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। उपाध्यक्ष श्री शुक्ला ने अपने उद्बोधन मे अभनपुर ब्लाक से आए सभी किसानों को शासन की योजनाओं के बारे में एवं औषधीय पौधों से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी। बोर्ड द्वारा किसानों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें भ्रमण अध्ययन भी कराएंगे। उपाध्यक्ष श्री शुक्ला ने सभी को निशुल्क औषधीय पौधे वितरित किए। कार्यक्रम में डीकेएस चौहान , प्रगति पटेल , खेलूराम साहू, रश्मि वर्मा, राघवेंद्र साहू, बिहारी लाल साहू, नेतराम साहू , ईश्वर साहू, रवि वर्मा भटगांव, हीरा वर्मा, यशोदा निर्मलकर, बिहारी लाल साहू , धात्री पाण्डेय व रश्मि पाण्डेय , अहिल्या दुबे एवं अभनपुर क्षेत्र से आए हुए समस्त किसानों ने कार्यक्रम में भाग लेकर प्रशिक्षण का लाभ उठाया।

बैज ने कहा- साय सरकार ढाई साल में ही अपना लोकतांत्रिक चरित्र खो चुकी

प्रदेश में कोई सुरक्षित नहीं, सरकार लापरवाह बनी हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, ढाई साल में ही भाजपा की साय सरकार क्रूर और अत्याचारी बन गयी है। सरकार अपना लोकतांत्रिक चरित्र खो चुकी है। सरकार में बैठे हुए लोग लगातार विपक्ष का दमन करने में लगे हैं। जनहित के काम सरकार और प्रशासन की प्राथमिकता में नहीं है। प्रदेश के विकास कार्य तथा जनकल्याणकारी योजनाएं ठप हो गयी हैं। कानून व्यवस्था बदतर हो गयी है, अपराध बढ़ गये हैं।

राजीव भवन में संवाददाताओं से चर्चा में उन्होंने कहा, प्रदेश में नगरीय निकायों, पंचायतों के उपचुनाव चल रहे हैं, सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही, विपक्ष के कार्यकर्ताओं पर झूठे मुकदमे दर्ज किये जा रहे हैं। सूरजपुर जिले के शिवनंदनपुर नगर पंचायत चुनाव को प्रभावित करने के लिए भाजपा सरकार के इशारे पर कांग्रेस के चुनाव संचालक जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री नरेन्द्र जैन के खिलाफ आर्म्स एक्ट का झूठा मुकदमा दर्ज किया है। इसके विरोध में कांग्रेस के साथियों के साथ 26 मई को मैं धरने पर बैठा। 30 घंटे से अधिक धरने के बाद जब गूंगी-बहरी सरकार ने नहीं सुना, तो हमने आमरण अनशन भी शुरू कर दिया।

सत्ता का दुरुपयोग कर रही सरकार

उन्होंने कहा, भाजपा को इस बात का अहसास हो गया है कि वह चुनाव हार रही है तो वह सत्ता का दुरुपयोग कर रही थी। प्रदेश में कही भी लोकतंत्र के दमन की कोशिश होगी हमारे कार्यकर्ताओं पर अत्याचार होगा कांग्रेस इस कुचक्र का डटकर मुकाबला करेगी। उन्होंने कहा, पिछले एक सप्ताह के अंदर कांग्रेस ने प्रदेश के दो आदिवासी संभागों बस्तर और सरगुजा में भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ बड़ा जनांदोलन छेड़ा।

वो चाहते हैं विपक्ष का सब गुम जाए

श्री बैज ने मोबाइल चोरी के मामले पर सवाल उठाते हुए कहा, धरमलाल कौशिक का मोबाइल मिल गया, पुरंदर मिश्रा को ठगने वाला गिरफ्तार हो गया. अभी तक मेरा मोबाइल नहीं मिला। उन्होंने कहा, वो चाहते है विपक्ष का सब गुम जाए। सरकार भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए है।

टोकन व्यवस्था के कारण किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा

समितियों से किसानों को खाद मिलने में देर, डीएपी की कमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर संभाग में सहकारी समितियों से किसानों को खाद मिलने में हो रही देर और नई टोकन व्यवस्था के कारण किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई समितियों में डीएपी की सप्लाई नहीं हुई है। ऐसे बुवाई के समय पर खाद न मिलने से किसान परेशान हैं और उन्हें मजबूरी में निजी दुकानों से महंगे दाम पर खाद खरीदनी पड़ रही है। कृषि विभाग के अनुसार, रायपुर संभाग के सभी जिलों में समितियों के माध्यम से पंजीकृत किसानों को उनके रकबे के आधार पर खाद वितरित की जा रही है। कालाबाजारी रोकने के लिए निगरानी समितियां भी सक्रिय हैं।

रायपुर संभाग में खाद वितरण के लिए राज्य सरकार द्वारा खरीफ सीजन के लिए नई खाद वितरण नीति और टोकन प्रणाली लागू की गई है। इसके तहत समितियों से मिलने वाली खाद की मात्रा और प्रक्रिया में बदलाव किए गए हैं। किसानों की भूमि (रकबे) के आधार पर टोकन जारी किए जा रहे हैं। छोटे किसानों को एक टोकन में पूरी खाद, जबकि ढाई से पांच एकड़ वाले किसानों को दो से तीन टोकन में खाद दी जा रही है। अंतरराष्ट्रीय स्थिति और आपूर्ति संकट को देखते हुए यूरिया और डीएपी की मात्रा पिछले साल के मुकाबले सीमित की गई है। इस बार किसानों को यूरिया 80 प्रतिशत और डीएपी 60 प्रतिशत ही पारंपरिक रूप से उपलब्ध कराया जा रहा है।

संभाग में खाद की स्थिति

जिला	लक्ष्य	भंडारण	वितरण
रायपुर	48750	18258	821
गरियाबंद	28500	12339	80
बलौदाबाजार	58350	22740	70
महासमुंद	60870	20863	80
धमतरी	38840	16661	200

विकल्प के रूप में नैनो खाद

समितियों में यूरिया और अन्य खाद उपलब्ध है, लेकिन डीएपी न होने के कारण किसान अभी उठाव नहीं कर रहे हैं। उनका कहना है कि डीएपी आने के बाद एक साथ खाद ले जाएंगे। आरंग की समिति में यह देखा गया है कि खाद का स्टॉक 10 दिन पहले आया। किसान यहां पर उठाव कर रहे हैं। रायपुर जिले के किसान अधिकांश जगहों पर खाद का उठाव कर खेती की तैयारी में जूट गए हैं। खाद की कमी को देखते हुए शेष मात्रा की पूर्ति के लिए किसानों को नैनो यूरिया, नैनो डीएपी और जैविक खाद का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

बुवाई में देर का डर

समितियों में समय पर पर्याप्त खाद न पहुंचने के कारण किसानों की बुवाई पिछड़ने का अनुमान है। समितियों में खाद की किल्लत के चलते किसान समितियों के चक्कर लगाने में लगे हैं। संभाग में गरियाबंद, बलौदाबाजार, महासमुंद जिले की समितियों में यूरिया, एनपीके और अन्य खाद कर उठाव कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि यहां डीएपी की आपूर्ति न होने के किसान चितिंत हैं। कई किसान सभी खाद एक साथ उठाने लगातार समितियों के संपर्क में हैं।

संभाग में 2 लाख 35 हजार टन उर्वरक का लक्ष्य

रायपुर संभाग में चालू खरीफ के लिए 2 लाख 35 हजार 290 टन उर्वरक का लक्ष्य तय किया गया है। लक्ष्य के विरूद्ध 95 हजार 665 टन का भंडारण किया जा चुका है। किसानों ने अब तक 1251 टन से अधिक का उठाव कर लिया है।रायपुर जिले में सबसे अधिक 821 टन का उठाव किया गया है। उसके बाद धमतरी जिले में 200 टन, गरियाबंद में 80 टन, महासमुंद में 80 टन, बलौदाबाजार 70 टन उर्वरक का ठाव हुआ है। समितियों में खाद उपलब्धता के आधार पर अब उठाव तेजी से होने का अनुमान है।

तीजन बाई गंभीर हालत में एम्स में, उपचार जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध पंडवानी गायिका, पद्म विभूषण से सम्मानित तीजन बाई का एम्स अस्पताल में उपचार जारी है। तीजन बाई को गंभीर हालत में अस्पताल के ट्रॉमा एवं इमरजेंसी विभाग में भर्ती किया गया है।

प्रारंभिक उपचार के बाद उन्हें मेडिकल इंटेंसिव केयर यूनिट (एमआईसीयू) में शिफ्ट किया गया, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। अस्पताल के अनुसार, मरीज की शुरुआती जांच ट्रॉमा इमरजेंसी में डॉ. नमन द्वारा की गई, जिसके बाद उन्हें जनरल मेडिसिन विभाग में डॉ. पीएन वासनिक के निर्देशन में भर्ती किया गया। वर्तमान में तीजन बाई का उपचार बहु-विषयक मेडिकल टीम द्वारा किया जा रहा है,

जिसमें मेडिसिन विभाग की डॉ. प्रणिता, पल्मोनरी मेडिसिन के डॉ. रंगनाथ और नेफ्रोलॉजी की डॉ. नीलम शामिल हैं। एम्स के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. डीके त्रिपाठी भी मरीज के उपचार और स्थिति की नियमित निगरानी कर रहे हैं। अस्पताल प्रशासन ने तीजन बाई की कंडीशन अभी भी क्रिटिकल बनी हुई है। हालांकि बुधवार से तीजन बाई की स्थिति में सुधार है, जब तीजन बाई उपचार के लिए लाई गई थीं, तब उनका बीपी काफी लो था, यूरिन आउटपुट काफी कम था, गुरुवार को दोनों में सुधार है।

खबर संक्षेप

धोबीपारा उद्यान के पास सामुदायिक भवन में खुला आरआरआर सेंटर

रायपुर। ब्राम्हणपारा वार्ड के धोबीपारा उद्यान के पास सामुदायिक भवन में गुरुवार को महापौर मीनल चौबे ने आरआरआर सेंटर का नए स्वरूप में लोकार्पण किया। इस सेंटर का संचालन धरोहर स्वसहायता समूह की महिलाएं करेंगी। इस सेंटर में नगर निगम रायपुर द्वारा एक ई बैटरी वाहन उपलब्ध कराया गया है, जो जोन 4 क्षेत्र के 7 वार्डों में जाकर वहां के लोगों के घरों से अनुपयोगी वस्तुओं का संग्रह कर सेंटर में लाने का कार्य करेगा। इन वस्तुओं को सुव्यवस्थित कर समाज के जरूरतमंद लोगों तक निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। दरअसल, राजधानी रायपुर में स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान के तहत नगर निगम जोन 4 के ब्राम्हणपारा वार्ड में लोगों की सुविधा के लिए धोबीपारा उद्यान के पास सामुदायिक भवन में अनुपयोगी वस्तुओं को एकत्र कर उसे दोबारा उपयोग लायक बनाने और उसे जरूरतमंदों तक पहुंचाने के मकसद से नए सेंटर का शुभारंभ हुआ।

सुशासन तिहार शिविर आज

रायपुर। नगर निगम जोन 9 क्षेत्र स्थित गारमेंट फैक्ट्री के सामने पाम ब्लाजियो के पास 29 मई को जोन 9 के सात वार्डो के लिए सुशासन तिहार शिविर लगाया जाएगा। इस जन समस्या निवारण शिविर में प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आवेदक हितग्राही मूलक योजनाओं से संबंधित आवेदन दे सकेंगे। शिविर में रायपुर नगर निगम सहित अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहेंगे। नगर निगम का क्षेत्र में यह आठवां जन समस्या निवारण शिविर होगा।

पुष्पांजलि कार्यक्रम आज

रायपुर। विश्व की सबसे दुर्गम सैन्य चोटी सियाचिन ग्लेशियर में तिरंगा फहराकर मातृभूमि की सेवा करते हुए वीरगति प्राप्त हुए रायपुर निवासी शहीद राजीव पांडे के शहादत दिवस पर 29 मई को प्रातः 11 बजे संजय नगर टिकरापारा स्थित उनके मूर्ति स्थल पर उन्हें सम्मानपूर्वक नमन करने पुष्पांजलि

निधन

धनराज सोनी

रायपुर। राजधानी रायपुर के निवासी, भाजपा कार्यकर्ता एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता धनराज सोनी (82) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे नरेश सोनी के पिता थे।

इंद्राणी मिश्रा

रायपुर। डीडीनगर निवासी इंद्राणी मिश्रा मर्रा धूमा (पाटन) वाले का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार महादेवघाट श्मशानघाट में किया गया। वे स्व. रामस्वरूप मिश्रा की पत्नी, सुशील कुमार मिश्रा, डॉ. ज्योति पांडेय, रमेश मिश्रा की माता थीं।

हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में 500 करोड़ निवेश पर इंडियन होटल्स ने दिखाई रुचि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अब देश के पर्यटन मानचित्र पर अपनी नई पहचान गढ़ने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पर्यटन को उद्योग का दर्जा मिलने, निवेश अनुकूल नीतियों और राज्य सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण प्रदेश में पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश की संभावनाएं लगातार मजबूत हो रही हैं। मुख्यमंत्री आज अपने निवास कार्यालय में पर्यटन को बढ़ावा देने, पर्यटक सुविधाओं के विकास एवं विस्तार तथा हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश को लेकर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में शामिल हुए। बैठक में देश की प्रतिष्ठित इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के प्रतिनिधियों सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। सीएम साय ने बैठक में कहा कि छत्तीसगढ़ उत्तर से दक्षिण तक नैसर्गिक विरासत की अमूल्य धरा है, जहां नदियां, पहाड़, घने जंगल, जलप्रपात, समृद्ध आदिवासी संस्कृति और जनजातीय परंपराएं छत्तीसगढ़ को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य सरकार का उद्देश्य दुनिया को छत्तीसगढ़ की वास्तविक सुंदरता, सांस्कृतिक समृद्धि और प्राकृतिक विविधता से परिचित कराना है।

उन्होंने कहा कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिए जाने से हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश की संभावनाएं तेजी से बढ़ी हैं और पर्यटकों के लिए बेहतर ठहराव, परिवहन तथा आधुनिक सुविधाओं के विकास के माध्यम से छत्तीसगढ़ को आकर्षक पर्यटन गंतव्य बनाया जा सकता है।

हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश से युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बनेंगे

500 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव

सीएम साय बोले- लगातार निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो रहे

मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य में लगातार निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं और इसी क्रम में इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड द्वारा छत्तीसगढ़ में निवेश की इच्छा जताई गई है, जो प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा, इस प्रकार के निवेश से पर्यटन अधोसंरचना मजबूत होगी और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे। बैठक के दौरान इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपने निवेश प्रस्ताव के महत्वपूर्ण बिंदु साझा किए और बताया कि कंपनी छत्तीसगढ़ में हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में लगभग 500 करोड़ रुपये से अधिक निवेश की योजना पर कार्य कर रही है, जिसे शीघ्र आगे बढ़ाया जाएगा।

हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश के रास्ते खुले- चौधरी

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा, राज्य सरकार ने निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है तथा सभी आवश्यक अनुमतियों की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया गया है। बैठक में यह भी बताया गया कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा मिलने के बाद हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश के रास्ते व्यापक रूप से खुले हैं। राज्य सरकार पर्यटन क्षेत्र को आधुनिक अधोसंरचना, उच्चस्तरीय सुविधाओं और निवेश प्रोत्साहन नीतियों के माध्यम से विकसित करने की दिशा में विशेष पहल कर रही है।

नदी का लेवल डाउन, एनीकट 15 इंच खाली

तेज गर्मी से सूख रहे हलक, पानी की खपत बढ़ी रोज खप रहा 300 एमएलडी से अधिक शुद्ध पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

तेज गमी से झुलस रहे शहरवासियों की प्यास बुझाने अब 300 एमएलडी पानी कम पड़ने लगा है। रोजाना 300 एमएलडी से ज्यादा शुद्ध पीने का पानी चाहिए। इसीलिए नगर निगम का जल विभाग गंगरेल बांध से 250 क्यूसेक रॉ वाटर की मांग कर रहा है। गर्मी के सीजन में यह दूसरा मौका है जब गंगरेल बांध से अतिरिक्त पानी मांगने की नौबत आई। पानी की खपत बढ़ने का सबसे बड़ा कारण बोरवेल सूखने और नलों में पानी का प्रेशर कम होना है। नगर निगम का भाठागांव स्थित एनीकट इन दिनों 15 इंच खाली चल रहा है, पिछले पंद्रह दिनों से यह स्थिति बनी हुई है। नदी का जलस्तर कम होने से शहर की पेयजल मांग को देखते हुए 250 क्यूसेक रॉ वाटर गंगरेल से प्रतिदिन के हिसाब से आपूर्ति की जा रही है। रायपुर नगर निगम की शहर में स्थित 43 नई व पुरानी पानी टंकियों के माध्यम से दस जोन के 70 वार्डों में नलों के माध्यम से 300 एमएलडी से अधिक मात्रा में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

83 पानी टैंकर लगा रहे प्रभावित इलाकों के फेरे

11 वार्डों में पेयजल संकट

जल विभाग के कार्यपालन अभियंता नरसिंह फरेंद्र के मुताबिक रायपुर नगर निगम के 4 जोन के 11 वार्डों में पानी की किल्लत सबसे ज्यादा है। जिसमें जोन 9 के

जलसंकट प्रभावित वार्डों में सबसे ज्यादा 23 किराये के पानी टैंकर भेजकर रोजाना अलग-अलग पाइंट पर 150 ट्रिप पानी भेजा जा रहा है। इसी तरह जोन 3 के नेताजी सुभाष चंद्र बोस वार्ड के खम्हारडीह बस्ती, वृंदावन कालोनी, पावर्ती नगर, सेल टैक्स कालोनी, भावना नगर बस्ती में पानी का संकट दूर करने टैंकर भेजने की नौबत आई है।

वीरांगना अवंति बाई वार्ड में पानी के लिए सुबह-शाम किचकिच

नगर निगम जोन 1 के वीरांगना अवंति बाई वार्ड के डब्लूआरएस कालोनी से लगे रेल्वे पटरी से लगी बस्तियों में पानी का विकराल संकट है। सुबह और शाम लोग बाल्टी, गुंडी हाथ में लेकर पानी टैंकर का बाट जोहते देखे जा सकते हैं। इस वार्ड के प्रेमनगर, इंदिरानगर, नेपाली बस्ती,शिवनगर, झारखंड बस्ती,श्रीराम नगर, माता नगर घासपारा, वाल्मिकी नगर, दुर्गा नगर में पेयजल संकट ज्यादा होने से लोगों को पीने के पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। वार्ड पार्षद खगपति सोनी का कहना है बस्ती के ज्यादातर लोग रोजी मजूरी वाले हैं जिन्हें सुबह से काम में जाना पड़ता है, पर पानी टैंकर के आने का निर्धारित समय नहीं होने से उन्हें काम छोड़कर पानी भरने रुकना पड़ता है।

भनपुरी में 2 पानी टंकियां, फिर भी जलसंकट

नाराज रहवासी आज करेंगे जोन का घेराव

टैंकर मुक्त भनपुरी की मांग को लेकर बंजारी माता वार्ड और यतियतन लाल वार्ड के रहवासी शुक्रवार को खमतराई स्थित जोन 1 कार्यालय का घेराव करेंगे। पूर्व बार्ड पार्षद नागभूषण राव के नेतृत्व में पेयजल समस्या दूर करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया जाएगा। भनपुरी के कविलाश नगर, रामेश्वर नगर, केविनपारा, बंधवा तालाब, सतनामी पारा, बुनियाद नगर, विजय नगर और कमल चौक गंभीर जलसंकट से जूझ रहा है। दो वार्ड में 1 लाख आबादी के लिए 2 पानी टंकियां हैं एक टंकी 32 लाख किलोलीटर और दूसरी 10 लाख किलोलीटर की। इसके बाद भी दर्जन भर मोहल्ले में नलों से पर्याप्त पानी नहीं पहुंच रहा है। ऐसे में प्रभावित इलाकों के रहवासी बेहद नाराज हैं। जल विभाग के पूर्व अध्यक्ष और बंजारी माता वार्ड पार्षद नागभूषण राव का कहना है विशेष रूप से केविनपारा, सतनामी पारा, कमल चौक, रामेश्वर नगर और बुनियाद नगर में पेयजल की स्थिति बेहद चिंताजनक है। अमृत मिशन में नई पाइप लाइन बिछाने के बाद भी लोगों के घरों में प्रेशर के साथ पानी नहीं पहुंचना शर्मनाक है।

गुरु गोविंद सिंह वार्ड की रहवासी बस्तियों में पेयजल संकट

नगर निगम जोन 3 के गुरु गोविंद सिंह वार्ड शीतला कालोनी, बेहरा कालोनी, कालीनगर बस्ती, झंडा चौक सतनामी पारा, राजा बाड़ा, पंडरी मार्केट चर्च के पास, जगन्नाथ नगर नाले के ऊपर वाला क्षेत्र, इमाम बाड़ा, ताज नगर कुरैशी गली, प्रगति नगर, पंडरी सुलभ के पास, वीएचपी कालोनी, अनुव्रत कालोनी में पानी की किल्लत से लोग परेशान हैं। वार्ड पार्षद कैलाश बेहरा द्वारा जल संकट प्रभावित 30 पाइंट में 3 पानी टैंकर मंगाकर पेयजल की आपूर्ति कराई जा रही है। इस इलाके में जगन्नाथ नगर और बेहरा कालोनी में दो स्थानों पर नए बोरवेल खनन कराया गया, इसमें से बेहरा कालोनी का बोर सूख गया, जगन्नाथ के बोरवेल में अच्छा पानी आया है। इसी तरह नगर निगम जोन 5 के भक्त कर्मा माता वार्ड और डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड में बोरवेल सूखने और नलों में पानी का प्रेशर बहुत कम आने से पेयजल संकट गहराया है। गणपति नगर, करन नगर, कर्मा चौक सहित रहवासी इलाकों के लोग इससे परेशान हैं।

आंधी से उखड़े पेड़ की शाखाओं की छंटाई दूसरे दिन भी अधूरी

लालपुर, पचपेड़ी नाका नवजीवन सोसाइटी के पास, आमापारा मार्ग में कटाई छंटाई बाकी

रायपुर। राजधानी में बुधवार दोपहर तेज आंधी और बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में पेड़ उखड़ गए। रजबंधा मैदान के पास बड़ा पेड़ गिरने से मौदहापारा मार्ग बाधित रहा। इसी तरह लालपुर, पचपेड़ी नाका की नवजीवन सोसाइटी के पास, आमापारा, मालवीय रोड में कमोबेश यही स्थिति रही। गुरुवार को आंधी से उखड़े पेड़ की शाखाओं की कटाई छंटाई अधूरी होने से लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ा। नगर निगम और उद्यान विभाग की टीम को लोगों ने इसकी सूचना दे दी है। महापौर मीनल चौबे ने कहा है, बाधित मार्गो को खोलने का काम कराया जा रहा है। प्राथमिकता के तौर पर सड़क यातायात और जन सुविधा को देखते हुए टीम लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

विदित हो कि एक दिन तेज आंधी की वजह से देवेंद्र नगर की आईएएस कालोनी में पेड़ गिरने से बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। वहीं बूढ़ापारा चौक, राजातालाब इलाके में पेड़ गिरने के बाद शाखाओं की कटाई-छंटाई का काम करने टीम ने तत्परता दिखाई।

डीएलएड अभ्यर्थियों के समर्थन में आप का आमरण अनशन

रायपुर। डीएलएड अभ्यर्थियों की नियुक्ति का मुद्दा अब राजनीतिक रूप लेता जा रहा है। आम आदमी पार्टी ने चेतावनी दी है कि यदि 10 जून तक पात्र डीएलएड अभ्यर्थियों को नियुक्ति नहीं दी गई, तो वे 11 जून से आमरण अनशन शुरू करेंगे। पार्टी द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि प्रदेश में सहायक शिक्षक के 2300 पद रिक्त हैं। इनमें से करीब 1600 पद आदिवासी महिला और पुरुष अभ्यर्थियों से जुड़े बताए गए हैं। अभ्यर्थी पिछले 153 दिनों से रायपुर के तूता धरना स्थल पर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे हैं।

शांति और सुकून की तलाश में फांसी लगाकर की खुदकुशी

मृतक की अब तक नहीं हो पाई है शिनाख्ती

- *डीडीनगर थाना क्षेत्र की घटना*
- *पुलिस मृतक की शिनाख्ती की कोशिश में जुटी*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

डीडीनगर थाना क्षेत्र के इंद्रप्रस्थ कालोनी के एक अपार्टमेंट के आठवें माले में अज्ञात युवक ने गुरुवार सुबह 10 से 11 बजे के बीच फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक की अब तक शिनाख्ती नहीं हो पाई है। मृतक की शिनाख्ती के लिए पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ थानों से संपर्क कर रही है।

पुलिस के अनुसार करीब 25 से 30 साल के युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी की है। मृतक हल्के हरे रंग की गोल गले की टीशर्ट तथा सफेद टोपी पहना हुआ है। मृतक के पास से पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने शांति तथा सुकून की तलाश में खुदकुशी करने की बात का उल्लेख किया है। युवक का अपार्टमेंट के अठवें माले में जाने का पुलिस को लिफ्ट से सीसीटीवी फूटेज मिला है। फूटेज में युवक सामान्य स्थिति में दिख रहा है, उसके चेहरे पर किसी तरह तनाव का भाव नहीं है। अज्ञात युवक की खुदकुशी के वास्तविक कारणों का पता उसकी शिनाख्ती के बाद होने की बात पुलिस कह रही है।

सुसाइड नोट में शांति और सुकून पाने खुदकुशी करने का जिक्र

पेज 09 के शेष

रायपुर की दो फ्लाइट का...

यात्री भी फंसे रहे। इसकी फ्लाइट रायपुर से 8.45 बजे दिल्ली जानी थी, लेकिन यह तकरीबन पौने तीन घंटे लेट थी। बताया गया कि दिल्ली में खराब मौसम ने कई शहरों की उड़ानें रोक रखी थी। वहां विमान भी उतर नहीं सका। खबर के अनुसार 6 उड़ानों को लखनऊ एयरपोर्ट डायवर्ट करना पड़ा। अलग-अलग एयरलाइंस की फ्लाइट्स ने अमौसी एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग की। एक फ्लाइट में मेडिकल इमरजेंसी की सूचना से हड़कंप मच गया। 80 साल के यात्रीने हार्ट अटैक की सूचना दी। जो बाद झूठी निकली।दिल्ली एयरपोर्ट पर खराब मौसम की वजह से विजिबिलिटी कम रही।

महिला शिक्षार्थियों ने किया...

राष्ट्र सेविका समिति 90 वर्षों से आगे बढ़ाने के लिए किए गए प्रयास का प्रभाव भी देखने को मिला। इसे दर्शाते हुए घोष दल ने 90 की आकृति का निर्माण किया। स्वसंरक्षणक्षम बनती सेविकाओं ने दण्ड, यष्टी, नियुद्ध और योगचाप की प्रस्तुति दी। संचलन और योग का भी प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि डॉ. नीता नायक ने सेविकाओं की पन्द्रह दिनों की तप साधना की सराहना करते हुए कहा कि महिला अपने आप में सम्पूर्ण शक्ति है। दृढ़ निश्चय लक्ष्य की पूर्ति का पथ प्रशस्त करता हैं। निश्चित ही सभी परिवार, समाज एवं राष्ट्र निमाण में अपनी भूमिका निभाएंगी। सीता दीदी ने आशिर्वचन में कहा कि राष्ट्र सेविका समिति ऐसी समिति है, जहां व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण में मातृशक्ति का जागरण जरूरी है। वर्गाधिकारी मधु बाजपेयी और अलका सतंजी ने वर्ग वृत देते हुए सुबह 5 बजे से रात 10:30 बजे तक की दिनचर्या बताई। राष्ट्र सेविका समिति की प्रांत कार्यवाहिका प्राजक्ता देशमुख, अखिल भारतीय सह घोष प्रमुख प्राची पाटिल की उपस्थिति रही।

पानी मांगा, नहीं मिला...

हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार मृतक के परिजनों ने भुवनेश्वर की 22 मई से गुमशुदगी की थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक घटना दिनांक को भुवनेश्वर, पार्षद तथा उसके साथियों के साथ मंदिर हसौद शराब दुकान के पीछे शराब पी रहा था। शराब पीने के दौरान उनके बीच विवाद हुआ। इसके बाद भुवनेश्वर वापस चला गया। विवाद होने के बाद भुवनेश्वर वापस चला गया था, इसके बाद फिर वह लौटा। इसके बाद पार्षद तथा उसके साथी भुवनेश्वर को अपने साथ कार में ले गए। उसे रास्ते में जमकर शराब पिलाई। शराब पिलाने के बाद पार्षद और उसके साथियों ने भुवनेश्वर के साथ मारपीट की। मारपीट से भुवनेश्वर की मौत हो गई।

छात्र को कुचलने के बाद...

के आरोप में पुलिस ने टैंकर सीजी 14 एमयू 6707 के चालक साहिल यादव को गिरफ्तार किया है। महावीर के पिता पंकज शर्मा रेलवे में जॉब करते हैं। घटना दिनांक को महावीर कंम्प्यूटर कोचिंग से शाम को लौट रहा था। इस दौरान सड्डू तालाब के पास साहिल ने महावीर को टैंकर से कुचल दिया और मौके से फरार हो गया था। महावीर अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी। महावीर अपने माता-पिता के साथ सड्डू हाउसिंग बोर्ड कालोनी में रहता था। गर्मी की छुट्टियों में वह रोजाना करीब डेढ़ किलोमीटर पैदल चलकर कंप्यूटर कोचिंग करने जाता था।

निगम का खजाना खाली...

दरअसल, नगर निगम की माली हालत खस्ता होने से शहर की सफाई का ठेका लेने वाली रामकी कंपनी के 80 करोड़ रुपए का बकाया बिल का भुगतान नहीं हुआ है। इसके अलावा शहर के वार्डों और गलियों में कचरा उठवाने का जिम्मा लेने वाले सफाई ठेकेदारों का फरवरी माह से बकाया भुगतान लंबित है, यह राशि करीबन 10 करोड़ रुपए देय है। इसी तरह नगर निगम के पास अपने कर्मचारियों, अधिकारियों और पेंशनरों के पेंशन की राशि का भुगतान करने राशि की आवश्यकता है। इसे देखते हुए नगर निगम के वित्त विभाग ने राज्य शासन को पत्र लिखकर 161 करोड़ रुपए उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया है।

जुलाई सत्र के लिए दाखिले...

कोर्सों में छात्र अब घर बैठे एडमिशन ले सकते हैं। इग्नू देशभर के उन छात्रों के लिए सबसे बड़ा विकल्प माना जाता है जो नौकरी के साथ पढ़ाई करना चाहते हैं, रेगुलर कॉलेज नहीं जा सकते या कम खर्च में उच्च शिक्षा हासिल करना चाहते हैं। इस बार यूनिवर्सिटी ने साफ किया है कि आवेदन से पहले छात्रों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य होगा। इग्नू के जुलाई 2026 एडमिशन सत्र के लिए आवेदन प्रक्रिया 20 मई से शुरू कर दी गई है। इच्छुक छात्र 15 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इग्नू ने इस बार एडमिशन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए अपार आईडी को अनिवार्य कर दिया है। यूनिवर्सिटी ने कहा है कि आवेदन शुरू करने से पहले सभी छात्र अपनी अपार आईडी तैयार रखें। बिना अपार आईडी के आवेदन प्रक्रिया पूरी नहीं होगी।

छात्रवृत्ति के लिए दे...

छात्रों के लिए कई प्रोफेशनल और स्किल बेस्ड पीजी डिप्लोमा कोर्स के विकल्प भी उपलब्ध हैं। इग्नू छोटे अवधि वाले सर्टिफिकेट कोर्स भी कराता है, जिनकी फीस अपेक्षाकृत कम होती है। इसके लिए भी आवेदन प्रारंभ कर दिए गए हैं। इनमें सरल संस्कृत बोध,फ्रेंच भाषा सर्टिफिकेट, रूसी भाषा एवं संस्कृति, उर्दू भाषा, ग्रामीण विकास, फूड एवं न्यूट्रिशन, सूचना प्रौद्योगिकी, लाइब्रेरी एवं सूचना विज्ञान, पर्यटन अध्ययन, जनजातीय अध्ययन इत्यादि शामिल है। इग्नू ने आवेदन से पहले जरूरी दस्तावेज तैयार रखने की सलाह दी है।

कारोबारी का डेढ़ किलो सोना लेकर फरार हुआ कर्मचारी

- *स्टाक मिलान से हुआ खुलासा*
- *कोतवाली थाने में अपराध दर्ज*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कोतवाली थाना में एक कारोबारी ने अपने पुराने तथा भरोसेमंद कर्मचारी के खिलाफ सवा किलो सोने के आभूषण तथा साढ़े तीन सौ ग्राम के करीब गोल्ड लेकर फरार होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। कारोबारी की शिकायत पर पुलिस अपराध दर्ज कर कर्मचारी की पतासाजी में जुटी हुई है। कारोबारी ने सोने की अफरा-तफरी में अपने कर्मचारी तथा उसके पिता के संलिप्त होने का आरोप लगाया है।

सदर बाजार, नाहटा मार्केट स्थित मंत्रा गोल्ड के पार्टनर प्रदीप बजाज ने अपने कर्मचारी अरुण यादव के खिलाफ अमानत में खयानत करने की शिकायत दर्ज कराई है। प्रदीप ने पुलिस को बताया है कि अरुण उनके शॉप में वर्ष 2019 से कार्यरत था। पिछले महीने 23 अप्रैल 2026 को दुकान का स्टाक मिलान किया गया। इस दौरान भारी मात्रा में सोना कम मिला। इस संबंध में कर्मचारी अरुण यादव से पूछताछ की गई, तो उसने बताया कि कुछ सोने का माल उसके घर पर रखा हुआ है। इस पर संस्था संचालक ने उसे तत्काल घर जाकर माल वापस लाने के लिए कहा।

माल लाने का झांसा देकर हुआ फरार

अरुण अपने मालिक को गबन किए गए सोने के आभूषण लाने का झांसा देकर दुकान से चला गया। घंटों बाद भी नहीं आने पर अरुण को उसके मालिक ने कॉल कर संपर्क किया, तो पहले तो वह अपने मालिकों को आने की बात कह कर झांसा देता रहा। अंत में सराफा दुकान के संचालक अरुण के घर पहुंचे, तो वह घर से गायब मिला। उसकी पत्नी से पूछताछ करने पर उसने उसके घर नहीं आने की बात कही। अरुण के पिता से संपर्क करने पर उसने भी अपने बेटे के बारे में जानकारी नहीं होने की बात कही। घटना के बाद से अरुण का मोबाइल बंद है।

बिजनेस साईट

वैश्विक विनिर्माण हब बनने की दिशा में छत्तीसगढ़ की पहल

रायपुर। भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) छत्तीसगढ़ राज्य परिषद ने उद्योग विभाग, छत्तीसगढ़ शासन और छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के सहयोग से "ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग रेडीनेस एंड प्लग-एंड-प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर" विषय पर परामर्श कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला का उद्देश्य वैश्विक विनिर्माण के लिए राज्य की तैयारियों का आकलन करते हुए उद्योगों से सुझाव और फीडबैक प्राप्त करना था। यह आयोजन डीपीआईआईटी द्वारा जुलाई 2026 में प्रस्तावित नेशनल डिपार्टमेंटल समिट ऑन इंडस्ट्रियल कॉरिडोर्स से पूर्व आयोजित संरचित अंतर-सरकारी परामर्श प्रक्रिया का हिस्सा था। कार्यशाला में सीएसआईडीसी अध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने निवेश-अनुकूल नीतियों और आधुनिक औद्योगिक अवसंरचना की आवश्यकता पर जोर दिया। सीएसआईडीसी के प्रबंध निदेशक विश्वेश कुमार ने राज्य की औद्योगिक संभावनाओं और एकीकृत अवसंरचना विकास पर प्रस्तुति दी। वहीं, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार ने राज्य के फोकस सेक्टर्स और डीपीआईआईटी को भेजे जाने वाले फीडबैक नोट की रूपरेखा साझा की।

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता को यह सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार क्रेता सरस्वती देवांगन, निवासी तुषार कुमार देवांगन, रायपुर छ.ग. के द्वारा निवासी अवधपुरी कॉलोनी, भाठागांव, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. वाले के स्वामित्व व आधिपत्य की परिवर्तित भूमि जो कि वाके मौजा- ग्राम- बोरियाखुर्द प.ह.नं. 71, रा. नि. मं. रायपुर 14 बोरियाखुर्द, तह. व जिला रायपुर (छ.ग.) है, जिसका खसरा नं. 326/43 कुल रकबा 0.063 हेक्टेयर है, उक्त सम्पत्ति को सीमांकन किया जाना है।

अतः उपरोक्त सौदे एवं संव्यवहार के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निगम, शासकीय व अशासकीय विभाग या अन्य किसी को कोई उजर, दावा या आपत्ति हो अथवा उक्त सम्पत्ति या उसके किसी भी भाग पर किसी प्रकार का स्वत्व, हक, अधिकार या भार हो तो वे इस आम सूचना प्रकाशन के दिनांक से 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति लिखित में सुसंगत दस्तावेजों के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत करें एवं आम सूचना का खंडन किसी भी दैनिक समाचार पत्र में स्वीकार नहीं किया जायेगा यह कि उक्त समयवधि के अवसान पश्चात मेरे पक्षकार के द्वारा उक्त वर्णित सम्पत्ति के विक्रय विलेख का निष्पादन व पंजीयन अपने पक्ष करा लिया जावेगा तत्पश्चात प्रस्तुत की गई किसी भी प्रकार की उजर, दावा एवं आपत्ति आदि असत्य झूठा एवं सारहीन माना जावेगा तथा ऐसा आपत्ति मेरे पक्षकार के ऊपर मान्य एवं बंधनकारी नहीं होगा।

सो सूचना जाने।

स्थान-रायपुर छ.ग.
दिनांक 16/05/2025

गीतेश कुमार बैस (अधिवक्ता)
साहू काम्पलेक्स, टिकरापारा रायपुर (छ.ग.)
मो. नं. 98274-62029, 8109663313

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार उप तहसील खोरपा, जिला रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

ग्राम सोनपैरी प.ह.नं. 02
रा.प्र.क्र. 202605116300018 /
अ-74 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आसित कुमार कानूनगो पिता स्व. श्री रविन्द्र किशोर कानूनगो निवासी कमल विहार रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा ग्राम सोनपैरी प.ह.नं. 02 रा.नि.मं. खोरपा उप तहसील खोरपा जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमि ख.नं. 172/7 शामिल खाता 217/7, 250/7 रकबा 0.04 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में आवेदक के नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि का नक्शा बटांकित नही हुआ है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का नक्शा बटांकन किये जाने बाबत आवेदन इस न्यायालय में पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था / समूह को कोई दावा आपत्ति हो तो वे अपना दावा आपत्ति आवेदन इस न्यायालय में नियत पेशी तारीख 11/06/2026 तक न्यायालयीन समय में स्वतः अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर पेश कर सकते है, नियत तारीख के बाद प्राप्त आपत्ति आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से आज दिनांक 27/05/2026 को जारी किया गया।

मुहर
अति. तहसीलदार
खोरपा, जिला-रायपुर (छ.ग.)

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

श्रमिकों के बच्चे हासिल कर सकें मेडिकल शिक्षा, इसलिए आरक्षित रहेंगी 700 सीटें

21 जून तक किए जा सकेंगे आवेदन, नीट के जरिए चयन

हरिभूमि सरोकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने देशभर के अपने 20 प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों में बीमित श्रमिकों के बच्चों के लिए 700 सीटें आरक्षित की हैं। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 मई थी, जिसे बढ़ाकर 21 जून कर दिया गया है। आयुक्त कार्यालय से प्राप्त आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इन आरक्षित सीटों पर योग्य उम्मीदवारों का चयन नीट यूजी (नीट) परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 21 जून निर्धारित की गई है। जो भी विद्यार्थी इस पात्रता के दायरे में आते हैं, वे कर्मचारी राज्य बीमा निगम की आधिकारिक वेबसाइट ESIC Official Website पर जाकर अपना आवेदन जमा कर सकते हैं।

वित्तीय बाधा दूर करने व्यवस्था

श्रम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस विशेष आरक्षण नीति का मुख्य उद्देश्य संगठित क्षेत्र के श्रमिक परिवारों के प्रतिभावान बच्चों को उच्च और गुणवत्तापूर्ण मेडिकल शिक्षा के बेहतर अवसर देना है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर या सामान्य पृष्ठभूमि से आने वाले छात्र भी बिना किसी वित्तीय बाधा के डॉक्टर बनने का अपना सपना पूरा कर सकेंगे।किसी भी प्रकार की शंका या विस्तृत जानकारी के लिए विद्यार्थी और अभिभावक टोल फ्री नंबर 1800-11-2526 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा नजदीकी शाखा या राज्य स्तरीय क्षेत्रीय कार्यालय से भी मार्गदर्शन लिया जा सकता है। श्रमायुक्त कार्यालय ने प्रदेश के सभी श्रमिक साथियों से विशेष अपील की है कि वे समय रहते इस महत्वाकांक्षी योजना की जानकारी अपने योग्य व इच्छुक बच्चों तक पहुंचाएं और अंतिम तिथि से पहले अधिक से अधिक आवेदन करें ताकि बच्चों को इसका फायदा मिल सके।

खबर संक्षेप

संगठन की मजबूती, शिक्षा एवं सामाजिक एकता पर चर्चा

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ की महत्वपूर्ण प्रदेश कार्यसमिति बैठक गुरुवार को भामाशाह छात्रावास टिकरापारा में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान प्रदेश, जिला एवं समस्त प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, समाज के वरिष्ठजन एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए समाजजनों की उपस्थिति रही। प्रदेश संयुक्त सचिव प्रदीप साहू, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू ने उदबोधन दिया। प्रदेश स्तरीय बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश साहू, तिलक साहू, साधना साहू, प्रदेश संगठन सचिव सुनील साहू, प्रदेश संयुक्त सचिव प्रदीप साहू, प्रदेश महामंत्री चित्ररेखा साहू, उधो प्रसाद साहू, राजेश साहू, प्रदेश युवा प्रकोष्ठ संयोजक शशिकांत साहू, महिला प्रकोष्ठ संयोजिका दिव्या कल्यारी, किसान प्रकोष्ठ संयोजक चोवाराम साहू, रायपुर राजधानी कार्यवाहक जिला अध्यक्ष दिलीप साहू समेत समस्त प्रकोष्ठों के संयोजक, प्रदेश पदाधिकारी एवं प्रदेशभर के जिला अध्यक्ष उपस्थित रहे।

देवपुरी सिंधी पंचायत के मुखी बने कोडवानी

रायपुर। पूज्य सिंधी पंचायत संत गेलाराम नगर देवपुरी की सामान्य सभा की बैठक हुई। इस दौरान सर्वसम्मति से आगामी दो वर्ष के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें ईश्वर कोडवानी को अध्यक्ष, लालचंद खूबचंदानी को संरक्षक, उपाध्यक्ष राजेश गिदवानी, महेश हरजानी को सलाहकार, अजय टेकवानी को सचिव, राजू काशवानी को कोषाध्यक्ष और विनोद काशवानी को सहसचिव चुना गया। इस मौके पर पंचायत के सभी सदस्यों ने पूरी कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं।

डूमरतराई थोक बाजार में 30 फीसदी कारोबार प्रभावित

बाजार पर गर्मी के साथ पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ने की मार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भीषण गर्मी के साथ ही अब पेट्रोल और डीजल के लगातार बढ़ते दाम के कारण राजधानी रायपुर में ही रोज करोड़ों का कारोबार प्रभावित हो गया है। गर्मी इतनी ज्यादा है कि लोग सामान लेने के लिए सुबह 10 बजे के बाद निकल ही नहीं रहे। यही नहीं, बाहर से माल लेकर आने वाले ट्रकों के पहिए भी दिन के समय में थम जा रहे हैं। डूमरतराई के थोक बाजार में 30 फीसदी कारोबार कम हो गया है। यहां पर रोज का करीब 12 करोड़ का कारोबार होता है। आलू-प्याज का तो 75 फीसदी कारोबार प्रभावित हो गया है। सब्जियों का धंधा जरूर कम प्रभावित हुआ है। इसकी भी दस फीसदी आवक और खरीदी कम हो गई है।

इस समय पूरा देश गर्मी की चपेट में आ गया है। इसकी वजह से दोपहर के समय पूरे बाजार ही सूने हो जा रहे हैं। बाजारों में ग्राहकों का टोटा हो गया है। शाम से लेकर रात तक भी कम ही ग्राहक आ रहे हैं। जिनको बहुत जरूरी है, वो ही सामान लेने निकल रहे हैं। इसकी वजह से किराना कारोबार ज्यादा प्रभावित हो गया है। पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने के कारण सबका बजट भी प्रभावित हो गया है तो लोगों ने खरीदारी भी कम कर दी है।

कम हो गया रोज करोड़ों का कारोबार

आलू-प्याज का कारोबार 25 फीसदी पर सिमटा

राजधानी रायपुर में भनपुरी आलू-प्याज की सबसे बड़ी मंडी है। यहां पर रोज 40 ट्रकों से ज्यादा माल आता है। लेकिन इस समय ऐसी मंदी का दौर चल रहा है जिसके कारण मुश्किल से 10 से 12 ट्रक माल ही आ रहा है। थोक प्यापारी संघ के अध्यक्ष अजय कुमार अग्रवाल के मुताबिक 75 फीसदी धंधा कम हो गया है। ग्राहक का टोटा होने के कारण कम माल मंगाना पड़ रहा है।

30 फीसदी धंधा प्रभावित

गर्मी के कारण 30 फीसदी धंधा प्रभावित हो गया है। आने वाले समय में मानसून में भी यही स्थिति रहने वाली है। डिमांड के हिसाब से ही कारोबारी सामान मंगा रहे हैं। अभी रोज 30 ट्रकों और मेटाडोर में माल का आना कम हो गया है।

- प्रेम पाहूजा, अध्यक्ष, डूमरतराई थोक बाजार

सब्जियों पर कम असर

जहां एक तरफ किराना सामान पर मंदी का भारी असर पड़ रहा है, वहीं सब्जियों पर इसका असर कम ही है। सब्जी जरूरी होने के कारण इसके ग्राहक ज्यादा कम नहीं हुए हैं। डूमरतराई थोक सब्जी मंडी के अध्यक्ष टी. श्रीनिवास रेड्डी के मुताबिक मुश्किल से 10 फीसदी कारोबार प्रभावित हुआ है। सब्जियों के दाम ज्यादा होने के बाद भी भरपूर कारोबार हो रहा है।

रोज चार करोड़ का कारोबार कम

राजधानी रायपुर का डूमरतराई बाजार प्रदेश का सबसे बड़ा बाजार है। यहां पर जहां प्रदेश के ज्यादातर शहरों के थोक और चिल्हर कारोबारी खरीदारी करने आते हैं, वहीं पड़ोसी राज्यों में ओडिशा, झारखंड और आंध्र प्रदेश के भी कारोबार खरीदारी करते हैं। यहां पर रोज करीब 12 करोड़ का कारोबार होता है। यहां पर रोज बाहर के राज्यों से जहां करीब 50 बड़े ट्रेकों में माल आता है, वहीं 30 मेटाडोर में भी अपने राज्य के अलग-अलग शहरों से अनाज सहित अन्य माल आता है। कारोबारियों के मुताबिक अब रोज छोटे-बड़े मिलाकर मुश्किल से 40 से 50 वाहनों में ही माल की आवक हो रही है। डिमांड कम होने के कारण कारोबारी कम ही माल मंगा रहे हैं। कारोबारियों का कहना है कि आने वाले समय में मानसून आने वाला है। मानसून में भी धंधा 30 से 40 फीसदी और रास्ते बंद होने पर 50 फीसदी तक धंधा प्रभावित हो जाता है।

प्रापर्टी टैक्स ऑनलाइन सिस्टम अपडेट, जून तक संपत्ति कर जमा करने 6.25 फीसदी की छूट

- घर बैठे जमा कर सकेंगे संपत्ति कर
- वाट्सअप चैटबॉट सेवा शुरू

रायपुर। नगर निगम के राजस्व विभाग ने आम जनता की सुविधा के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जीआईएस आधारित ऑनलाइन संपत्ति कर प्रणाली को फिर से शुरू कर दिया है।

इससे शहर के संपत्तिधारक अपने प्रापर्टी टैक्स का ऑनलाइन भुगतान कर बैठे सहजता से कर सकेंगे। यही नहीं, करदाताओं की सुविधा के लिए वाट्सऐप चैटबॉट सेवा की सुविधा शुरू कर दी है। इसके अतिरिक्त मोर रायपुर मोबाइल एप पर संपत्ति कर भुगतान कर सकते हैं, ताकि लोगों को नगर निगम मुख्यालय और जोन कार्यालय का चक्कर न लगाना पड़े। दरअसल, पिछले 25 दिनों से नगर निगम में वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रापर्टी टैक्स भुगतान का ऑनलाइन सिस्टम बंद रहा, स्थिति ये रही कि 30 अप्रैल के बाद से न तो करदाता घर बैठे ऑनलाइन टैक्स जमा कर पा रहा था, ना ही ऑफलाइन टैक्स जमा करने की सुविधा रही।

इसका सीधा असर राजधानी के हजारों करदाताओं पर पड़ा। इसकी प्रमुख वजह प्रापर्टी टैक्स के लाइव पोर्टल में टेक्नीकल अपग्रेडेशन का कार्य किया जा रहा था। यह कार्य अब पूरा हो गया है। सिस्टम को अपडेट करने के साथ ही करदाताओं को 30 जून तक बकाया संपत्ति कर जमा करने पर 6.25 फीसदी छूट देने का फैसला लिया गया है।

दिल्ली के साहित्यकार बलराम को लघु कथा सम्मान

रायपुर। माता कौशल्या शोधपीठ छत्तीसगढ़ एवं डॉ. माया ठाकुर फाउंडेशन के संयुक्त आयोजन में दिल्ली के साहित्यकार बलराम को अखिल भारतीय लघु कथा महोत्सव-2026 का डॉ. बालेन्दु शेखर तिवारी स्मृति लघुकथा सम्मान प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। 29 मई शुक्रवार को एससीईआरटी भवन शंकर नगर में दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित कार्यक्रम के अध्यक्ष शशांक शर्मा, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी व विशिष्ट अतिथि प्रभात मिश्रा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग होंगे। हिंदी साहित्य एवं व्यंग्य संस्थान रायपुर के अध्यक्ष राजशेखर चौबे ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि इस दौरान डॉ. महेंद्र कुमार ठाकुर- सत्य, संघर्ष, साहस का सृजन विस्तार पुस्तक, जिसका संपादन डॉ. रमेश तिवारी दिल्ली एवं राजशेखर चौबे रायपुर ने किया है तथा डॉ. ठाकुर की हास्य व्यंग्य कविताओं के दूसरे संग्रह नेताजी घूंघट के सामने का विमोचन भी किया जाएगा।

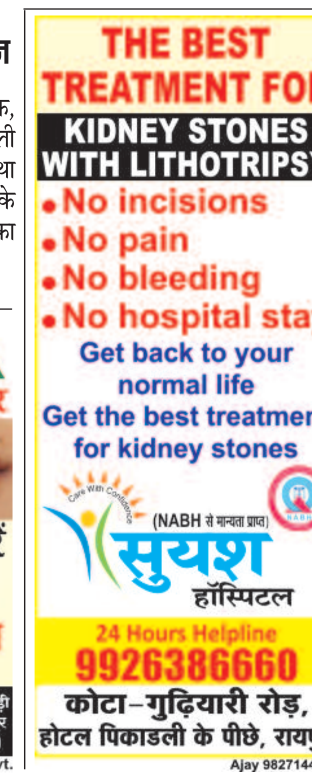

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने डॉ. पल्लवी को किया सम्मानित

रायपुर। राजधानी रायपुर की बेटी डॉ. पल्लवी दुबे ने चिकित्सा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए नेफ्रोलॉजी सुपर स्पेशलिटी कोर्स में ऑल इंडिया रैंक-1 प्राप्त किया है। इस उपलब्धि के बाद उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित भी किया गया है। डॉ. दुबे वर्तमान में बेंगलुरु के मनिपाल हॉस्पिटल में किडनी रोग विशेषज्ञ (नेफ्रोलॉजिस्ट) के रूप में सेवाएं दे रही हैं। पिछले शनिवार को नई दिल्ली में हुए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने उन्हें गोल्ड मेडल और नेशनल सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर प्रदान कर सम्मानित किया। डॉ. पल्लवी, रायपुर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राकेश दुबे और डॉ. रुचि दुबे की पुत्री हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक चिकित्सा शिक्षा में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। एमबीबीएस प्रवेश परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक हासिल करने के बाद उन्होंने अहमदाबाद के बीजे मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस और एमडी मेडिसिन की पढ़ाई पूरी की।

10 पैसे प्रति किलो कमीशन वृद्धि, राशन डीलरों के साथ मजाक : धृतलहरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व शासकीय राशन दुकानदार एवं विक्रेता कल्याण संघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश महासचिव विजय धृतलहरे ने भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2031 तक 80 करोड़ गरीब जनता को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराने के फैसले का स्वागत करते हुए कहा, यह गरीब हित में एक महत्वपूर्ण कदम है। वहीं राशन डीलरों के लिए घोषित मात्र 10 पैसे प्रति किलो कमीशन वृद्धि को बेहद निराशाजनक और असंतोषजनक बताया। उन्होंने कहा, देशभर के लगभग 6 लाख राशन डीलर वर्षों से कमीशन वृद्धि की मांग करते आ रहे हैं, लेकिन सरकार ने उनकी मांगों को नजरअंदाज कर केवल 10 पैसे प्रति किलो बढ़ोतरी कर डीलरों के साथ मजाक किया है। बढ़ती महंगाई, बढ़ते संचालन खर्च और वर्षों से लंबित मांगों के बीच यह वृद्धि "ऊंट के मुंह में जीरा" समान है। उन्होंने कहा, कोरोना महामारी जैसे कठिन समय में राशन डीलरों ने अपनी जान जोखिम में डालकर 80 करोड़ गरीबों तक समय पर राशन पहुंचाने का कार्य किया। इस दौरान कई राशन डीलरों की मृत्यु भी हुई, लेकिन सरकार ने मृतक डीलरों के परिवारों की सुध लेना भी उचित नहीं समझा।

250 रुपए प्रति क्विंटल दें कमीशन : अंत में विजय धृतलहरे ने केंद्र एवं राज्य सरकार से मांग करते हुए कहा कि सार्थक पीडीएस योजना के अंतर्गत राशन डीलरों को कम से कम 250 रुपये प्रति क्विंटल कमीशन वृद्धि एवं 2 प्रतिशत क्षतिपूर्ति राशि प्रदान की जाए, ताकि राशन डीलरों और उनके परिवारों को आर्थिक न्याय मिल सके।

डीलरों के साथ अन्याय

उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में वर्ष 2005 से लागू टीपीडीएस व्यवस्था के बाद से आज तक राशन डीलरों के कमीशन में कोई वृद्धि नहीं हुई है। वर्तमान में शक्कर पर मात्र 5 रुपये प्रति क्विंटल तथा चावल पर 30 रुपये प्रति क्विंटल कमीशन दिया जा रहा है, जबकि नमक, मध्यान्ह भोजन और पूरक पोषण जैसे अतिरिक्त कार्यों का भी दबाव बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि शासकीय राशन दुकानदार एवं विक्रेता कल्याण संघ छत्तीसगढ़ द्वारा कई बार सरकार को ज्ञापन सौंपे गए, लेकिन आज तक एक पैसे की भी वृद्धि नहीं होना डीलरों के साथ अन्याय है।

हरिभूमि
रायपुर, शुक्रवार 29 मई 2026
लाइव
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

04

खरीदने से पहले जान लें लेस और ...

> अल्लाह के बंदे ईद-उल-अजहा के मुबारक मौके पर शहर में सुबह 6 बजे से ईद की नमाज अता करने बेहद उत्साह से पहुंचे। इस बार लोगों की सुविधा को देखते हुए शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में कुल 60 मस्जिद-मदरसों और ईदगाह मैदानों में बकरीद के मौके पर नमाज अता करने के लिए अलसुबह से ही छोटापारा, ईदगाह मैदान सहित सभी जगहों पर हुजूम उमड़ा। पहली नमाज छोटापारा मस्जिद में मुस्लिम बंधुओं ने सुबह 6 बजे पढ़ी। इसके बाद कहीं एक तो कहीं दो जमात में लोगों को नमाज पढ़ने के लिए सुविधा मुहैया कराई गई।

राजधानी में 60 स्थानों पर सुविधा के लिहाज से अलग-अलग समय पर अता की नमाज, मांगी बरकत

मस्जिद-मदरसों में पढ़ी ईद की नमाज, एक-दूजे को गले लगाकर दी मुबारकबाद, भाईचारे का संदेश दिया

रायपुर। बकरीद के चलते घरों में खुशियां छाई रहीं, क्योंकि अपनों से मिलने के लिए लोग परिवार के साथ पहुंचे। इसके चलते दिनभर उत्सव का माहौल बना रहा। इससे पहले सभी ने नमाज पढ़ते हुए खुदा से शांति-अमन और बरकत के लिए दुआ मांगी। इसके बाद एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद देते हुए घर लौटे। जिन मस्जिदों में दो जमात में नमाज पढ़ी गई, वहां सुबह से अंतिम नमाज के वक्त तक खुशनुमा माहौल रहा। जहां हर वर्ग के लोग परिवार के साथ मस्जिदों-मदरसों और ईदगाह मैदानों में पहुंचे।

बड़ी ईदगाह में उमड़ी भीड़, खुशी का माहौल

ईद-उल-अजहा के मौके पर शहर की सबसे बड़ी ईदगाह, ईदगाहभाठा में गुरुवार को मुस्लिम समाज के लोगों ने प्रमुख त्योहार पर हजारों की तादाद में ईद की नमाज अता की। इसमें शामिल होकर शहर सहित कई जगहों से आए लोगों ने नमाज पढ़ी। इस मौके पर नमाज के बाद मुस्लिम भाइयों ने एक-दूसरे से गले मिलते हुए मुबारकबाद दी। इससे ईदगाह में खुशनुमा माहौल रहा। छत्तीसगढ़ की गौरवशाली परंपरा रही है कि मुस्लिम भाइयों के साथ दूसरे समाज के लोग भी इस त्योहार को आपसी भाईचारा और एकता के साथ मनाते हैं। इस अवसर पर बड़ी ईदगाह में प्रमुख रूप से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शेख शकील, डॉ. नेहाल खान, राहिल, मो. अमजद, जुनैद गनी, अशफाक अहमद, मो. मुख्तार, आसिफ खान प्रमुख रूप से शामिल हुए।

पैगंबर इब्राहिम की तरह अल्लाह की इबादत

शहजादा काजी छत्तीसगढ़ मौलाना सैय्यद अशरफ जिलानी ने बताया कि पैगंबर इब्राहिम की तरह अल्लाह के आदेश पर अमल करते हुए कुर्बानी की परंपरा निभाई जाती है। ईद-उल-फितर के करीब 70 दिन बाद मनाई जाने वाली बकरीद पर अलसुबह फजर की नमाज के बाद कुर्बानी दी गई। शहजादा काजी ने आगे बताया कि पैगंबर इब्राहिम ने अल्लाह के आदेश पर अपने 10 साल के बेटे की कुर्बानी देना कुबूल किया था, तभी से परंपरा निभाई जा रही है। बकरीद का त्योहार न केवल हमें सामाजिक कार्यों की राह दिखाता है, बल्कि कई और संदेश भी देता है। कुर्बानी को तीन हिस्से में बांटने की परंपरा आज भी निभाई जाती है। इसमें एक हिस्सा परिवार के लिए, दूसरा गरीबों के लिए और तीसरा संबंधियों के लिए होता है। गरीबों के हिस्से को बांटने की जिम्मेदारी समाज के युवाओं द्वारा निभाई गई, ताकि कुर्बानी का एक हिस्सा गरीबों को मिले। रिश्तेदारों का हिस्सा भी लोगों ने कुर्बानी के बाद पहुंचाया।

दस दिनों तक नहीं कटवाते बाल और नाखून

आगे बताया कि जो कुर्बानी करने का फैसला करते हैं, ऐसे लोग बकरीद के दस दिन पहले से ही बाल और नाखून कटवाना और दाढ़ी बनवाना बंद कर देते हैं। कुर्बानी के बाद ऐसे लोगों द्वारा हजामत कराई जाती है। इस नियम का पालन ऐसे सभी लोग करते हैं, जिनके नाम से कुर्बानी दी जाती है। इसका पालन इस बकरीद के मौके पर भी लोगों ने किया। मौलाना ने समाज के बाद लोगों को ईद से जुड़ी हुई कई जानकारियां देने के बाद मुबारकबाद दी।

जरूरतमंदों को बांटा भोजन और फल

ईद के मौके पर जरूरतमंद गरीब, निराश्रितों, समाज के कमजोर लोगों की जरूरत की पूर्ति के लिए अवाम-ए-हिंद सोशल वेलफेयर कमेटी के तत्वावधान में चलाए जा रहे सुपोषण अभियान के माध्यम से संस्थापक मो. सज्जाद खान ने भोजन वितरण का 2251वां दिन पूरा किया। राजधानी के विभिन्न स्थानों, धार्मिक स्थलों और फुटपाथ पर जिंदगी जीने वाले जरूरतमंदों और डीकेएस अस्पताल में दूरदराज से मरीजों का इलाज कराने के लिए आने वाले मरीजों के परिजनों को निशुल्क स्वादिष्ट भोजन, फल वितरित किए। मो. सज्जाद खान ने बताया कि संस्था से हर समुदाय के लोग जुड़कर काम करते हुए सेवा दे रहे हैं। इस दौरान राजेंद्र शर्मा, महावीर जैन, जुबैर खान, राजकुमार साहू, कुलविंदर सिंह, फराज खान ने सहयोग दिया।

सिटी इवेंट

एनआईटी में एसएमआर, इंजीनियर्ड सेफ्टी फीचर्स डिजाइन ने बनाया सुरक्षित

रायपुर। एनआईटी में एसएमआरः स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर-कॉन्सेप्ट टू रियलाइजेशन" विषय पर प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया। यह आयोजन भारतीय उद्योग परिसंघ के सहयोग से किया गया। समारोह के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि केएन व्यास होमी भाभा चेयर प्रोफेसर एवं पूर्व अध्यक्ष एईसी शामिल हुए। उन्होंने बताया कि सुरक्षा प्रणालियों, कंटेनमेंट संरचनाओं एवं विकिरण संबंधी जोखिमों, विशेषकर आनुवंशिक प्रभावों को आधुनिक रिएक्टरों में उन्नत इंजीनियर्ड सेफ्टी फीचर्स को शामिल करने से रिएक्टर की सुरक्षा सुनिश्चित की है। इसके अभाव में चेर्नोबिल एवं फुकुशिमा जैसी दुर्घटनाएं हुई हैं। इन घटनाओं से मिली सीख के आधार पर आधुनिक परमाणु रिएक्टर डिजाइंस में सुरक्षा मानकों को और अधिक मजबूत बनाया गया है। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने अनुशासित तकनीकी विकास, सतत संस्थागत सहयोग एवं दीर्घकालिक नीति समर्थन को भारत में परमाणु ऊर्जा विस्तार के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। कार्यक्रम में डॉ. सुरेश हावरे अध्यक्ष बोर्ड ऑफ गवर्नर्स एनआईटी, प्रो. एनवी रमना राव निदेशक एनआईटी, एसके शर्मा पूर्व सीएमडी एनपीसीआईएल मुंबई, राजेश कुमार शुक्ला प्रबंध निदेशक सीएसपीटीसीएल, हेमंत वर्मा अध्यक्ष त्रिपुरा विद्युत विनियामक आयोग और बजरंग गोयल अध्यक्ष सीआईआई छत्तीसगढ़ राज्य परिषद सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

संस्थान की बैटरी तकनीक के क्षेत्र में नवाचार सराहनीय

बजरंग गोयल ने कहा कि सस्टेनेबल हारनेसिंग एंड एडवांसमेंट्स ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांस्फोर्मिंग इंडिया बिल भारत के परमाणु ऊर्जा तंत्र को सुदृढ़ करने एवं निजी भागीदारी को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने एनआईटी रायपुर की नवाचार गतिविधियों, विशेषकर बैटरी तकनीक के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा आत्मनिर्भर भारत के लिए शिक्षा, उद्योग एवं नवप्रवर्तकों के बीच मजबूत समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया।

स्टूडेंट्स ने जाना एसएमआर एवं स्वदेशी तकनीक

इस समारोह का समापन एक संवादात्मक चर्चा सत्र के साथ हुआ, जिसमें विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों ने एसएमआर एवं स्वदेशी तकनीकों से संबंधित प्रश्न विशेषज्ञों से पूछे। इसके बाद प्रतिक्रिया सत्र आयोजित किया गया और इसके बाद डॉ. अर्चना शर्मा, एएनआरएफ पीएम प्रोफेसर, एनआईटी रायपुर ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने सभी गणमान्य अतिथियों, उद्योग प्रतिनिधियों, संकाय सदस्यों एवं प्रतिभागियों का कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु आभार व्यक्त किया।

पत्रकारिता गौरव मार्तण्ड उत्सव का सीएम साय करेंगे शुभारंभ

रायपुर। हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने पर रायपुर प्रेस क्लब द्वारा 30 मई को पत्रकारिता गौरव मार्तण्ड उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। वीआईपी रोड स्थित श्रीराम मंदिर सुंदर सदन में यह उत्सव चार सत्रों में होने वाला है। इस उत्सव का शुभारंभ सीएम विष्णु देव साय सुबह 11 बजे करेंगे। शुभारंभ सत्र में वित्त मंत्री ओपी चौधरी, शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, सांसद बृजमोहन अग्रवाल और वरिष्ठ पत्रकार, शिक्षाविद और इंडिया हैबीटेट सेंटर के निर्देशक केजी सुरेश भी उपस्थित रहेंगे। शुभारंभ सत्र के बाद प्रथम चरण 12.30 से शुरू होगा। इसका विषय स्याही से स्क्रीन तक (संभावनाएं एवं चुनौती) होगा। मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार एवं चिंतक हर्षवर्धन त्रिपाठी, माखनलाल पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति विजय मनोहर तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार गिरीश पंकज, वरिष्ठ पत्रकार एवं विचारक करीमुद्दीन और सुभाष मिश्रा होंगे।

वरिष्ठ पत्रकार साझा करेंगे अनुभव, सांस्कृतिक संध्या भी

व्याख्यान माला का दूसरा चरण शाम 4 बजे से प्रारंभ होगा, जो पत्रकारिता- न्यूज रूम से न्यू मीडिया तक संभावनाएं एवं चुनौतियां विषय पर केंद्रित रहेगा। मुख्य वक्ता प्रधान संपादक अमिताभ अग्निहोत्री, प्रधान संपादक शरद द्विवेदी, मैनेजिंग एडिटर विश्वेश ठाकरे ,पत्रकार एवं विचारक रुद्र अवस्थी व वरिष्ठ पत्रकार अनिल पुसदकर होंगे। इसके बाद शाम 6 बजे से सांस्कृतिक संध्या का सत्र होगा। इसमें गीत-संगीत के कार्यक्रम होंगे, इसमें पत्रकार भी अपनी भागीदारी निभाएंगे। रायपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी, महासचिव गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, सहसचिव निवेदिता साहू और भूपेश जांगड़े ने बुद्धिजीवियों को आमंत्रित किया है।

मिसेज छत्तीसगढ़ और किड्स लिटिल आइकॉन बनने किया रैंप वॉक

रायपुर। 'एआर इवेंट्स' द्वारा आयोजित मिसेज छत्तीसगढ़ एवं किड्स लिटिल आइकॉन छत्तीसगढ़ 2026 सीजन-6 के पहले ऑडिशन का आयोजन हुआ। पहले दिन 30 बच्चों और 15 महिलाओं ने हिस्सा लेकर रैंप पर अपना हुनर दिखाया। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को रैंप वॉक और परफेक्ट पोज देने के विशेष गुर सिखाए गए।

इवेंट के संचालक राहुल कुकरेजा ने बताया कि इसका अगला और आखिरी ऑडिशन आज दोपहर 2 बजे से विधानसभा रोड स्थित अंबुजा मॉल के लोअर ग्राउंड फ्लोर पर होगा, जो भी इस प्रतियोगिता का हिस्सा बनना चाहते हैं, वे सीधे मॉल पहुंचकर 'ऑन द स्पॉट' रजिस्ट्रेशन कराकर भाग ले सकते हैं।

प्रतिभागियों को आत्मविश्वास और ग्रूमिंग के टिप्स देने के लिए राहुल कुकरेजा और प्रार्थना गोस्वामी द्वारा विशेष ट्रेनिंग दी जा रही है। प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले 31 मई को शाम 6 बजे से अंबुजा मॉल में ही रखा गया है।

आज से कृषि विश्वविद्यालय में 'राष्ट्रीय आम महोत्सव' का आगाज

देशभर की 250 किस्मों से सजा आम महोत्सव, 3 लाख किलो वाला जापानी आम और 10 किलो का बस्तरिया 'हाथीझूल' बढ़ाएंगे शान, खरीद भी सकेंगे

कार्नर न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आज से 31 मई तक तीन दिवसीय 'राष्ट्रीय आम महोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव में पूरा माहौल आममय रहेगा, जहां आमजनों को फलों के राजा आम की 250 से अधिक देशी-विदेशी किस्मों का देखने और खरीदने का मौका मिलेगा। यह आयोजन इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी तथा 'प्रकृति की ओर सोसायटी' के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रहा है। इस महोत्सव में प्रवेश और सभी प्रतियोगिताओं के लिए पंजीयन आम नागरिकों के लिए पूरी तरह से निशुल्क रखा गया है। महोत्सव का भव्य शुभारंभ 29 मई को दोपहर 4 बजे छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका करेंगे। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे। इस खास अवसर पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम और सांसद बृजमोहन अग्रवाल अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। साथ ही रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, धरसींवा विधायक अनुज शर्मा सहित बीज विकास निगम और कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष तथा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

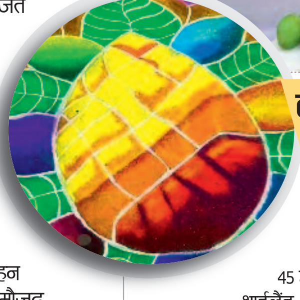

लाखों का जापानी आम और 10 किलो का 'हाथीझूल' बनेगा आकर्षण

महोत्सव का सबसे बड़ा आकर्षण दुनिया के सबसे महंगे आमों में शुमार जापान का 'मियाजाकी' आम होगा। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में एक से डेढ़ किलो मियाजाकी आम की कीमत 3 लाख 45 हजार रुपए तक होती है। विदेशी किस्मों में जापान के अलावा थाईलैंड, फिलिस्तीन और अफगानिस्तान सहित दुनिया के अलग-अलग देशों की आम की वैरायटीज यहां देखने को मिलेगी। विदेशी आमों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की स्थानीय उपज भी अपना जलवा बिखेरेगी। बस्तर के जंगलों में पाए जाने वाले छोटे और गोल-मटोल आमों के अलावा बस्तर की ही एक और दुर्लभ किस्म 'हाथीझूल' प्रदर्शनी में शामिल होगी। उल्लेखनीय है कि 'हाथीझूल' के एक अकेले आम का वजन ही 5 से 10 किलो तक होता है।

11 गुठलियां लाने पर मुफ्त मिलेगा उन्नत पौधा, होंगी प्रतियोगिताएं

महोत्सव को आम लोगों और बच्चों के लिए बेहद रोचक बनाने के लिए कई खास आयोजन रखे गए हैं। 'प्रकृति की ओर सोसायटी' की तरफ से पर्यावरण संरक्षण की एक अनूठी पहल की जा रही है, जिसके तहत आम की 11 गुठलियां लेकर आने वाले किसी भी व्यक्ति को उन्नत किस्म के आम का एक पौधा मुफ्त में दिया जाएगा। इसके अलावा प्रसिद्ध शेफ आकांक्षा रॉय लाइव कार्यक्रम में आम के विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजन बनाना सिखाएंगी। महोत्सव के दौरान प्रतिदिन सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन होगा। साथ ही आम से बने उत्पादों (शर्बत, पना, अचार, चटनी, आम पापड़) की प्रतियोगिताओं के अलावा मैंगो क्विज, फैंसी ड्रेस, आम आधारित मॉडल और सजावट की स्पर्धाएं भी आयोजित की जाएंगी।

किसानों और युवाओं के लिए विशेष तकनीकी सत्र

आयोजन के दूसरे दिन 30 मई को दोपहर 12 बजे से आम उगाने वाले किसानों और जिज्ञासुओं के लिए 'आम उत्पादन समस्या एवं समाधान' विषय पर एक खास परिचर्चा होगी। इसमें नव-उद्यमियों को उच्च गुणवत्ता वाले आम के उत्पादन, मार्केटिंग और सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी ताकि युवा इसे एक स्वास्थ्यवर्धक व्यवसाय के रूप में अपना सकें। वहीं 31 मई को आम उत्पादक किसानों और उद्यमियों की सफलता की कहानियां उन्हीं की जुबानी साझा की जाएंगी। इसी अंतिम दिन प्रतियोगियों के लिए पुरस्कार वितरण व सम्मान समारोह के साथ इस तीन दिवसीय भव्य महोत्सव का समापन होगा।

धर्म लाइव

माना हो तुम, बेहद हसीं....'येसुदास हिट्स' में गायकों ने सुर -ताल से सजाई महफिल

रायपुर। "येसुदास हिट्स" की श्रृंखला में संगीतमय आयोजन किया गया। इसने संगीत प्रेमियों के दिलों में खास जगह बना ली। फुल ऑफ म्यूजिक द्वारा प्रस्तुत इस भव्य आयोजन ने अब तक हुए कार्यक्रमों में सबसे ज्यादा सराहना और वाहवाही बटोरी। कार्यक्रम का आयोजन मायाराम सुरजन हॉल में किया गया। रात 8 बजे से शुरू हुई इस संगीतमय संध्या ने देर रात तक श्रोताओं को बांधे रखा। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि मंच पर प्रस्तुति देने वाले सभी गायक कलाकारों ने सुरों से ऐसा माहौल बनाया, मानो महान गायक येसुदास की आत्मा ही उनमें समा गई हो। हर गीत में भावनाओं की गहराई, सुरों की शुद्धता और संगीत के प्रति समर्पण साफ झलक रहा था। आयोजक एवं गायक प्रदीप साहू ने मधुर प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। वहीं मंच संचालन की जिम्मेदारी संभालते हुए जी. भूषण राव ने शानदार एंकरिंग और गायन से धूम मचाई।

गीतों की प्रस्तुति से श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

संगीत की इस महफिल में अन्य गायक कलाकारों में बजरंग बंसल, पूजा सिंह, मोनिका तिवारी, डॉ. कृति गुप्ता, मोहिनी मलेवार सहित श्रीनिवास राव, अजय साहू, सत्यम राव, राजय वर्मा, मल्ली राव, मनीष झा, संजय वर्मा एवं हरीश माखीजा ने एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुति देते हुए श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। लोकप्रिय गीतों ने श्रोताओं को भावुक किया। इनमे "सुनैना" और प्रदीप साहू ने "माना हो तुम" – जी. भूषण राव "कहां से आये बदरा", मल्ली राव, डॉ. कृति गुप्ता ने "तेरी तस्वीर" वहीं सत्यम राव ने "तू जो मेरे सुर में" जैसे गीतों से महफिल को खुशनुमा बनाया। विशेष आमंत्रित अतिथि विजय दम्मानी की उपस्थिति और विशेष सहयोगी के रूप में हीरानंद दुल्हानी ने योगदान दिया।

धर्म लाइव

सामाजिक, राजनीतिक, व्यापारिक संगठनात्मक विषयों पर होगी चर्चा

रायपुर। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन की राष्ट्रीय कार्यसमिति की आगामी बैठक 30 एवं 31 मई को इंदौर स्थित एक रिजॉर्ट्स में होने जा रही है। इस दौरान देशभर से संगठन के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसमें छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल प्रांतीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल के नेतृत्व में शामिल होगा। बैठक में संगठन के सामाजिक, राजनीतिक, व्यापारिक एवं संगठनात्मक विषयों पर व्यापक चर्चा होगी। संगठन द्वारा कई मुद्दों पर निर्णय लिए जाएंगे। इसमें समाजहित से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इनमें अग्रसेन ग्लोबल अवार्ड, युवक-युवती परिचय सम्मेलन, सामूहिक विवाह, शिक्षा सहायता कोष, डिजिटल डेटा बैंक, रोजगार सहायता मंच, सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध अभियान, अग्र पंचायत गठन एवं राष्ट्रीय स्तर पर संगठन विस्तार जैसे विषय प्रमुख होंगे।

संगठन की दिशा तय करने लिए जाएंगे अहम निर्णय

यह बैठक नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलभूषण मित्तल इंदौर के नेतृत्व में तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप मित्तल के सानिध्य में होगी। राष्ट्रीय महामंत्री राजेश भरूका के संयोजन में आयोजित इस कार्यकारिणी बैठक में देशभर के वरिष्ठ पदाधिकारी भी सहभागी होंगे। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि यह बैठक संगठन की भावी दिशा तय करने वाली सिद्ध होगी। समाज को राष्ट्रीय स्तर पर अधिक संगठित एवं सशक्त बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। 29 मई को रायपुर-इंदौर फ्लाइट से जयदेव सिंगल (दुर्ग), डॉ. अशोक अग्रवाल (रायपुर), अनीता अग्रवाल (रायपुर), मातादीन लाल अग्रवाल एवं गोदावरी देवी अग्रवाल इंदौर पहुंचेंगे। जहां इनकी संयुक्त बैठक राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ होगी।

समाज इवेंट

संस्कृति को जीवित रखने बालिकाओं को सिखाए संस्कार और अफसर बनने के गुर

रायपुर। महाकौशल बालिका शिविर ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी गतिविधियों से परिपूर्ण रहा। जहां बालिकाएं एक ओर यूपीएससी टॉपर से मिलकर प्रशासनिक सेवा की प्रेरणा ली, दूसरी ओर संस्कार और संस्कृति के विशेष सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में अरिहंत सिंघी उपस्थित रहे। इस दौरान शिविरार्थियों ने अफसर बनने के गुर सीखे, वहीं शाम को धार्मिक म्यूजिकल अंताक्षरी में सुर मिलाकर अपनी प्रतिभा दिखाई। आईआरएस अफसर ने यूपीएससी पास करने का रोडमैप बताया। विशेष सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में राजनांदगांव के अरिहंत सिंघी 2017 में सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय 322वीं रैंक हासिल कर आईआरएस चुने गए, वर्तमान में वे अहमदाबाद में डिप्टी कमिश्नर ऑफ इनकम टैक्स के पद पर कार्यरत हैं।

यूपीएससी टॉपर ने बालिकाओं को किया प्रेरित

उत्कृष्ट जांच के लिए उन्हें डायरेक्टर जनरल ऑफ इनकम टैक्स, गुजरात द्वारा प्रशस्ति पत्र भी मिल चुका है। उन्होंने बालिकाओं को एग्जाम की पूरी प्रक्रिया, तैयारी की रणनीति, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास का महत्व समझाया। श्री सिंघी ने कहा कि बड़े लक्ष्य तय करो। गांव-कस्बे की बेटियां भी कलेक्टर-कमिश्नर बन सकती हैं, बस संकल्प मजबूत होना चाहिए। संस्कार की क्लास भी ल+गी : शिविर में सिर्फ पढ़ाई नहीं, जिंदगी जीने का सलीका भी सिखाया जा रहा है। बालिकाओं को खुद भोजन परोसना, थाली में जूठन न छोड़ना, अन्न व्यर्थ न करना और अनुशासन में रहकर सामूहिक जीवन जीने के संस्कार दिए जा रहे हैं। आयोजकों ने कहा कि अफसर बनने से पहले अच्छा इंसान बनना जरूरी है।

● नृत्य मुद्राओं और भाव-भंगिमाओं में दिखी संस्कृति की झलक

कथक, कर्मा, पंथी में तीन जनरेशन का अद्भुत संगत

ग्रीष्मकालीन आकार शिविर में शास्त्रीय नृत्य और छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य कला सीखने प्रशिक्षुओं में जबर्दस्त उत्साह दिख रहा है। शिविर के चौथे दिन महंत घासीदास परिसर स्थित आर्ट गैलरी में शास्त्रीय नृत्य शिक्षण के दौरान लखनऊ घराने की कथक नृत्यशैली की विविध मुद्राओं में बाल्य, युवा और प्रौढ़ तीन जनरेशन का संगम दिखा।

रायपुर। कथक नृत्य कलागुरु चिरंजीव हलधर ने 3 वर्ष, 18 वर्ष और 40 वर्ष उम्र वर्ग की प्रशिक्षुओं को एक ही मंच पर हारमोनियम व तबले की संगत के साथ ताल-त्रिताल पर अभ्यास कराया। इस दौरान बाल्य, युवा और प्रौढ़ तीन जनरेशन ने अपनी शास्त्रीय नृत्यशैली की अद्भुत भाव-भंगिमाओं से प्रदर्शित किया। वहीं लोकनृत्य-संगीत में भी इसी उम्र वर्ग के प्रशिक्षु बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य का प्रशिक्षण लेते दिखे। लोकनृत्य-संगीत के कलागुरु विक्की ठाकुर प्रशिक्षुओं को छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य में पारंगत बना रहे हैं। इस तरह से शिविर में शास्त्रीय नृत्य व लोकनृत्य कला की विविध मुद्राओं व भाव-भंगिमाओं से भारतीय संस्कृति-परंपरा को व्यक्त करने की कला प्रशिक्षु सीख रहे हैं। आकार शिविर में यह दृश्य अपनी संस्कृति व कला को सहेजने के प्रेरणादायक प्रयास को दर्शा रहा है कि इस आधुनिक समाज में भी अपनी परंपराओं, कला-संस्कृति के प्रति नई व पुरानी पीढ़ी में लगाव व सम्मान की भाव बरकरार है।

कला प्रशिक्षण स्टॉल पर प्रशिक्षुओं की भीड़

शिविर में लगातार प्रशिक्षुओं की संख्या बढ़ती जा रही है। शिविर में प्रतिभा निखारने कलागुरुओं व प्रशिक्षुओं दोनों में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है। कला प्रशिक्षण शिविर में बच्चे, युवा और बुजुर्गों पारंपरिक शिल्प तथा विविध कलाओं जैसे बांस शिल्प, मधुबनी आर्ट, काष्ठ कला, चित्रकला, रजवार भित्ति, गोदना आर्ट, नाटक, नृत्य, टेरोकोटा, जापान पेपर कटिंग, क्ले आर्ट, पैरा आर्ट के अलग-अलग प्रशिक्षण स्टॉल पर मन लगाकर कलागुरुओं के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

शिल्प और कला के संरक्षण की अनूठा पहल

छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति एवं राजभाषा विभाग द्वारा पारंपरिक शिल्प और कला के संरक्षण, प्रचार-प्रसार तथा जागरूकता के उद्देश्य से आकार-2026 पारंपरिक शिल्प एवं विविध कला प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण शिविर आगामी 9 जून तक दो पालियों में सुबह 7 बजे से 10 बजे तक तथा शाम 5 बजे से 8 बजे तक आयोजित है।

पीढ़ियों में संस्कार और हुनर दोनों का विकास

शहर के कलाप्रेमियों के अलावा पैरेंट्स शिविर के आयोजन को लेकर गदगद दिखाई दे रहे हैं। शिविर में अपने बच्चों को लेकर पहुंच रहे पैरेंट्स का कहना है कि यह प्रशिक्षण शिविर गीष्मकालीन छुट्टी में हमारे बच्चों के लिए रचनात्मक गतिविधियों के लिए सबसे अच्छा मंच बन रहा है। यहां पारंपरिक विधाओं का प्रशिक्षण लेकर बच्चे अपनी कला-संस्कृति से जुड़ पा रहे हैं। इसमें शास्त्रीय व लोकनृत्य-संगीत हो या मिट्टीकला, सभी बच्चों में संस्कार और हुनर दोनों का विकास हो रहा है।

कला के जरिए बेटियों की शिक्षा और सफलता का संदेश

रायपुर। सरोना रेलवे स्टेशन की दीवारों पर 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की थीम पर बनाई गई आकर्षक पेंटिंग। ये जीवंत कलाकृतियां न केवल स्टेशन परिसर की खूबसूरती बढ़ा रही हैं, बल्कि यहां से गुजरने वाले यात्रियों को बेटियों की शिक्षा और उनकी सुरक्षा के प्रति सकारात्मक संदेश भी दे रही हैं।

बच्चों की करुण पुकार- बंद हो पशुओं पर अत्याचार, नवकार महामंत्र का जाप

रायपुर। विश्वभर में मूक पशुओं पर हो रहे अत्याचारों से द्रवित होकर सकल जैन समाज ने जीवदया और अभयदान की भावना के साथ 'नवकार महामंत्र' का जाप किया। खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी द्वारा प्रतिष्ठित श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर और चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी) परिसर में सुबह बड़ी संख्या में बच्चे और समाज के लोग एकत्र हुए। जिनकी चीखें कोई नहीं सुनता, उन बेजुबान पशुओं के लिए बच्चों ने करुण पुकार करते हुए प्रार्थना की कि पशुओं पर ये अत्याचार अब बंद हों।

श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद और महासचिव महेंद्र कोचर ने बताया कि विश्वपटल पर पशुओं के प्रति हो रही हिंसा के मद्देनजर अहिंसा और करुणा के भावों के साथ छत्तीसगढ़ में जैन समाज द्वारा 7 बार नवकार महामंत्र का जाप किया गया। उन्होंने कहा कि जैन धर्म के सभी तीर्थंकरों ने 'अहिंसा परमो धर्म' और करुणा का मार्ग प्रशस्त किया है। भगवान महावीर स्वामी का 'जियो और जीने दो' का संदेश आज भी विश्वशांति के लिए पूरी तरह प्रासंगिक है।

जनभावनाओं को बदलने में सार्थक होगा यह जाप

महासचिव महेंद्र कोचर ने बताया कि 'नवकार महामंत्र' समस्त विपत्तियों से रक्षा करने वाला चमत्कारी मंत्र है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि सकल जैन समाज द्वारा जगत के समस्त जीवों के प्रति अभयदान (जीवनदान) के शुद्ध भावों से किया गया यह जाप अवश्य ही जनभावनाओं को बदलने और मूक पशुओं के प्रति समाज में करुणा जगाने में सार्थक सिद्ध होगा।

महाराष्ट्र मंडल ने पद्मश्री डॉ. रामचंद्र गोडबोले और सुनीता गोडबोले का किया सम्मान

नोबल पुरस्कार विजेता अल्बर्ट श्वित्जर के जीवन से मिली कुपोषित और रोगियों की सेवा की प्रेरणा

कार्नर न्यूज

रायपुर। बस्तर में आदिवासी समुदाय को रोग और कुपोषण से मुक्ति दिलाने 36 वर्षों से समर्पित पद्मश्री से सम्मानित डॉ. रामचंद्र गोडबोले और सुनीता गोडबोले शहर पहुंचे। गुरुवार को महाराष्ट्र मंडल में पद्मश्री गोडबोले दंपति का सम्मान समारोह कार्यक्रम रखा गया। इस समारोह के दौरान साक्षात्कार में डॉ. रामचंद्र गोडबोले ने इस संघर्ष व सेवा की अपनी यात्रा के बारे में बताते हुए कहा कि उन्होंने आयुर्वेदिक चिकित्सा की शिक्षा लेने के बाद अपना जीवन आदिवासी समुदाय के लिए समर्पित करने का प्रण किया। यह प्रेरणा उन्हें शांति के नोबल पुरस्कार विजेता फ्रांस के अल्बर्ट श्वित्जर के जीवन के प्रति सम्मान के दर्शन और अथक मानवीय सेवा कार्यों मिली।

करीब 12 सालों तक महाराष्ट्र में सेवा कार्य करने के बाद 1990 में वे अपनी पत्नी के साथ बस्तर आ गए। इस कार्य में बराबर सुनीता ने मेरा साथ दिया। उन्होंने आदिवासी महिलाओं व बच्चियों की जीवन को संवारने का जिम्मा उठाया। बस्तर की गिनती उस समय दुर्गम इलाकों में की जाती थी। तब दंतेवाड़ा जिले के बारसूर में एक क्लीनिक खोला और अबूझमाड़ इलाके में पैदल चलकर मरीजों का फ्री में इलाज करने लगे। बस्तर संभाग के अंदरूनी गांवों में नक्सल दहशत होने के बाद भी स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने में कोई कमी नहीं की। क्षेत्र में कुष्ठ रोग, टीबी, पीलिया, मलेरिया जैसे गम्भीर बीमारियों को लेकर आदिवासी ग्रामीणों के बीच जाकर जागरूकता फैलाई। इससे इलाके में लोगों को कई गंभीर बीमारियों से निजात दिलाने में सफलता मिली।

बीमारी व कुपोषण से बचाने अथक प्रयास

माओवाद प्रभावित और दुर्गम क्षेत्रों में, जहां सड़कें और बुनियादी सुविधाएं भी नहीं थीं, ये दंपति पैदल चलकर लोगों का मुफ्त इलाज करते रहे। कुपोषण को दूर करने उनके ट्रस्ट फॉर हेल्थ और बनफूल जैसे संगठनों के माध्यम से उन्होंने हजारों बच्चों को कुपोषण से बचाया। सिकलसेल, एनीमिया, व्यक्तिगत स्वच्छता और आदिवासी लड़कियों की शिक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए उन्होंने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। बस्तर जैसे नक्सल प्रभावित और दुर्गम क्षेत्रों में तीन दशकों से अधिक की निस्वार्थ और उत्कृष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति द्वारा गोडबोले दंपति को संयुक्त रूप से देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान 'पद्मश्री' से अलंकृत किया गया है।

इन संस्थाओं ने किया सम्मानित

पद्मश्री डॉ. रामचंद्र गोडबोले और डॉ. सुनीता गोडबोले दंपति का सम्मान महाराष्ट्र मंडल की ओर से अध्यक्ष अजय काले, सचिव चेतन दंडवते, बृहन्नमहाराष्ट्र मंडल की ओर से शेखर राव साहेब अमीन, छत्तीसगढ़ कार्यवाह सुबोध टोले, पर्यावरण प्रेमी शुभांगी- संजय आप्टे, शशिकांत पोड और अरुण भावे ने भी किया। राज्यपाल के एडीसी ओम बाविसकर के माता-पिता अजय बाविसकर और कविता बाविसकर ने भी गोडबोले दंपति का सम्मान किया।

स्वास्थ्य

गर्मियों में इम्यूनिटी पर नहीं आएगी कोई आंच, करें ये काम

गर्मियों में आप भी बार-बार बीमार पड़ने से बचना चाहते हैं, तो आप ये आसान उपायों को अपनाकर अपनी इम्यूनिटी मजबूत कर सकते हैं। गर्मियों का मौसम अपने साथ, धूप, पसीना और लू लेकर आता है। इस मौसम में लोग बार-बार बीमार पड़ते हैं। ऐसे में जरूरी है कि इस मौसम में इम्यूनिटी मजबूत बनी रहे। अगर आप भी गर्मियों में ये 5 काम कर लेंगे, तो आप शरीर को एनर्जेटिक बनाए रखने के साथ-साथ इम्यूनिटी को बूस्ट कर लेंगे। हम आपको इस आर्टिकल में ऐसे 5 उपाय बताने जा रहे हैं, जिससे आपकी सेहत पर आंच नहीं आएगी। चलिए जानते हैं इस बारे में विस्तार से। दरअसल ये उपाय मेरा खुद का आजमाया हुआ है। गर्मियों में मैं खुद को हेल्दी रखने के लिए इन पांच बातों को जरूर फॉलो करती हूं।

गर्मियों में इम्यूनिटी को मजबूत कर सकते हैं ये उपाय

गर्मियों का मौसम पसीना निकालने वाला होता है, ऐसे में जितना हो सके आप लिक्विड डाइट लें, ताकि शरीर से जो वॉटर लॉस हो रहा है उसकी पूर्ति की जा सके। कम से कम 8 से 10 गिलास पानी पिएं। सौंफ धनिया सहित और भी कई तरह के मसाले हैं, जो शरीर को ठंडक देते हैं, इन्हें एक बार दिन में जरूर शामिल करें। आप नारियल पानी, बेल शरबत, गन्ने का जूस, नींबू पानी जैसे नेचुरल ड्रिंक का सेवन करें। छाछ को डाइट का हिस्सा बनाना बेहद फायदेमंद हो सकता है। ये सभी चीजें इम्यूनिटी को मजबूत बनाती हैं।

गर्मियों का मौसम आते ही मार्केट में एक से

बढ़कर एक फल नजर आते हैं। ऐसे में मौसमी फलों को प्राथमिकता दें।जैसे, खरबूज, तरबूज,खीरा ककड़ी, लीची, अंगूर वगैरह खाएं। यह मौसमी फल पानी से भरपूर होते हैं, और इनमें विटामिन सी होता है,जो इम्यूनिटी को मजबूती देता है।

तला भुना खाना सबको पसंद आता है लेकिन यह आपकी इम्यूनिटी पर प्रहार कर सकते हैं। ऐसे में गर्मियों में जितना इनसे दूरी बनाई जाए अच्छा है। इसकी जगह पर आप दलिया, मूंग दाल की खिचड़ी, लौकी, तोरई जैसी सब्जियों को डाइट का हिस्सा बनाएं। ये बेहद हल्के होते हैं। इनमें फाइबर और प्रोटीन होता है,जो पाचन को बढ़ावा देता है।

गर्मी के कारण नींद की दिक्कत सबसे ज्यादा होती है। दिन हो या रात, किसी वक्त भी चैन नहीं मिलता है। ऐसे में कोशिश करें कि आप हर हाल में 8 घंटे की नींद लें। कमरे का तापमान ठंडा रखें और स्क्रीन से दूरी बनाएं। इससे नींद अच्छी आती है। जब आप पूरी नींद लेंगे, तो इम्यून सिस्टम मजबूत होगा

और सबसे जरूरी है कि आप हाइजीन का ख्याल रखें। गर्मियों में धूल मिट्टी, पसीना बहुत

ज्यादा होता है। ऐसे में हाथ धोने और रोजाना नहाने की आदत आपको वायरस और बैक्टीरिया से दूर रखती है।

गर्मियों में रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत रखने के लिए खुद को हाइड्रेटेड रखें, मौसमी फल-सब्जियां खाएं, प्रोसेस्ड फूड से बचें और रोजाना 30 मिनट का व्यायाम या योग करें। गर्मियों के मौसम में चिलचिलाती धूप और डिहाइड्रेशन के कारण इम्यून सिस्टम कमजोर हो सकता है। अपनी इम्यूनिटी को मजबूत रखने के लिए निम्नलिखित बातों का विशेष ध्यान रखें।

हाइड्रेशन और डाइट (आहार और पोषण)

भरपूर पानी पिएं: दिन भर में कम से कम 8-10 गिलास पानी जरूर पिएं ताकि शरीर से विषैले तत्व बाहर निकल सकें। लिक्विड डाइटः पानी के अलावा नारियल पानी, नींबू पानी, छाछ और ताजे फलों का जूस अपनी डाइट में शामिल करें। मौसमी फल में विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर तरबूज, पपीता, आम और खट्टे फल (जैसे संतरा) खाएं। हरी सब्जियां और दही खीरा, ककड़ी, टमाटर जैसी ठंडी सब्जियां खाएं और पाचन को दुरुस्त रखने के लिए दही को डेली रूटीन में शामिल करें।

तनाव का सीधा संबंध है पाचन से, आज ही से सुधारें इस गड़बड़ी को

अगर पाचन की समस्या की जड़ में छिपा है आपका तनाव, जल्द मुक्ति पा लें तो रहेगी तबीयत भी ठीक

आज के समय बहुत से लोग मानसिक तनाव से परेशान रहते हैं। एक स्टडी के मुताबकि मानसिक तनाव का सीधा संबंध पाचन क्रिया से होता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं, साथ ही ये भी जानेंगे कि इससे बचने के क्या उपाय हैं?

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में पाचन संबंधी समस्याएं आम हो गई हैं। पेट दर्द, अपच, कब्ज और गैस जैसी परेशानियां हर उम्र के लोगों को सता रही हैं। गर्मी के मौसम में तो ये दिक्कतें और भी बढ़ जाती हैं। पाचन संबंधी समस्याओं के पीछे कई कारण हो सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, इसका एक बड़ा कारण मानसिक तनाव भी है। जी हां, एक स्टडी के अनुसार, हमारे मस्तिष्क का आंतों से सीधा और गहरा संबंध होता है, यानी पाचन क्रिया और मानसिक तनाव आपस में जुड़े हुए हैं।

तनाव हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को कई तरह से प्रभावित करता है। जब हम तनाव में होते हैं, तो शरीर में स्ट्रेस हार्मोन जैसे कॉर्टिसोल और एड्रेनालाइन का स्तर बढ़ जाता है। इन हार्मोनों का सीधा असर हमारी पाचन क्रिया पर पड़ता है, जिससे पेट में ऐंठन और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, लंबे समय तक तनाव में रहने से आंत में बैक्टीरिया का

संतुलन बिगड़ता है, जिससे पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है।

गर्मियों में यह समस्या और बढ़ जाती है। उच्च तापमान और डिहाइड्रेशन के कारण शरीर पहले से ही तनावग्रस्त होता है। ऐसे में अगर आपकी दिनचर्या अनियमित है, खान-पान अनहेल्दी है, या आप मानसिक तनाव में हैं, तो पाचन संबंधी दिक्कतें बढ़ सकती हैं। इसके अलावा, तनाव के कारण नींद की कमी भी पाचन तंत्र को प्रभावित करती है, जिससे दिनभर थकान और एकाग्रता में कमी महसूस होती है।

तनाव से दूर रहने क्या करें?

सबसे पहले, तनाव को कम करने की कोशिश करें। रोजाना 10-15 मिनट का ध्यान या गहरी सांस लेने का अभ्यास तनाव को कम करने में मदद करता है। योग और हल्का व्यायाम, जैसे सुबह की सैर, भी फायदेमंद है। इसके साथ ही, अपनी डाइट पर ध्यान दें।

पाचन को बेहतर बनाने के लिए दही को अपनी डाइट में शामिल करें, क्योंकि इसमें मौजूद प्रोबायोटिक्स आंत के स्वास्थ्य को ठीक रखते हैं। खाना खाने के बाद एक

गिलास गुनगुने पानी में नींबू डालकर पीना पाचन को अच्छा रखने में मदद करता है।

खान-पान के साथ-साथ जीवनशैली में बदलाव भी जरूरी है। रात को सोने से 2-3 घंटे पहले खाना खा लें और कोशिश करें कि रात की नींद पूरी हो। ज्यादा फैट वाले भोजन, फास्ट फूड, और गैस युक्त पेय पदार्थों से बचें। दिनभर में 2-3 लीटर पानी पीकर शरीर को हाइड्रेटेड रखें। अगर पाचन की समस्या लंबे समय तक बनी रहे, तो डॉक्टर से सलाह लें, क्योंकि यह किसी गंभीर बीमारी का संकेत भी हो सकता है।

40 की उम्र के बाद भी बने रहेंगे तंदुरुस्त अपनाएंगे अगर सेहत से जुड़ी टिप्स

40 साल की उम्र वो पड़ाव होता है, जब शरीर में कई शारीरिक समस्याएं और स्वास्थ्य स्थितियों का खतरा बढ़ जाता है। एक्सपर्ट का कहना है, कि इस उम्र के बाद आपको काफी संभलकर रहना होता है। यंगस्टर्स तो फिट रहने के लिए हेल्दी और क्लीन डाइट,रनिंग,साइकिलिंग, जिम जाकर वर्कआउट करना ,जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड से दूर रहना और योग करना आदि कई उपाय अपनाते हैं। लेकिन 40 के आसपास की उम्र वाले लोग पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण लाइफ स्टाइल को उतना एक्टिव नहीं रख पाते, जितना उन्हें रखना चाहिए। अगर कोई भी अपने शरीर और स्वास्थ पर पहले से ही काम करना शुरू करे, तो 40 की उम्र के बाद अधिक मेहनत की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसलिए इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं, जो 40 की उम्र के बाद भी फिट रहने में आपकी मदद कर सकते हैं।

स्ट्रेंथ पर करें काम

हमारी उम्र के साथ मांसपेशियों का निर्माण और रखरखाव हमारी हड्डियों को मजबूत रखने का एक महत्वपूर्ण घटक होता है। वहीं, मांसपेशियों का द्रव्यमान उम्र बढ़ने के साथ कम होने लगता है, इसलिए रेजिस्टेंस ट्रेनिंग यानी वेट ट्रेनिंग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना बहुत फायदेमंद होता है। इसलिए, अभी से ही वेट ट्रेनिंग को डेली रूटीन में शामिल करें, ताकि आगे चलकर आपको कोई समस्या न हो।

मसल्स फ्लेक्स पर दें ध्यान

40 साल से अधिक उम्र के लोग हर साल अपने मसल्स का लगभग 1 प्रतिशत हिस्सा खो देते हैं। इसलिए 40 साल से अधिक उम्र के लोगों को जरूरी है कि वे मसल्स को फ्लेक्स करें। इसके लिए तेज चलना और फिर हल्के वजन से वेट ट्रेनिंग करना काफी फायदेमंद हो सकता है। लेकिन अगर आप अभी 40 के नहीं हुए हैं, तो मसल्स फ्लेक्शन पर ध्यान दें, ताकि आगे चलकर कोई प्रॉब्लम न आए।

जंक फूड अवॉइड करें

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम कितने साल के हैं। हर उम्र में एनर्जी की कमी, सुस्ती आदि जैसे समस्याएं हो सकती हैं। अगर आप अभी जंक फूड खा रहे होंगे तो इसका असर आपको आलस, वेट गेन के रूप में दिखेगा।

इस तरह से बनाएंगे चावल तो हर दाना रहेगा खिला-खिला

यदि आपके चावल भी आपस में चिपक जाते हैं तो हमारे बताए तरीके से चावल बनाएं। इससे एक-एक दाना खिला-खिला बनेगा।

भिगोना है जरूरी- यदि आप एकदम खिला-खिला चावल बनाना चाहते हैं तो उसे भिगोना बेहद जरूरी है। चावल को पकाने से पहले कम से कम 30 मिनट के लिए भिगो दें। ऐसा कहा जाता है कि भिगोने से चावल मुलायम होता है और पकने पर दाने फटते नहीं। भीगे हुए चावल कम पानी में पक भी काफी जल्दी जाते हैं।

पानी का अनुपात रखें सही- चावल बनाते समय यदि आप पानी का अनुपात ज्यादा कर देंगे तो चावल घुट जाएंगे, वहीं अगर पानी कम रह जाएगा, तो चावल कच्चे रह जाएंगे। कच्चे चावल खाने से पेट खराब होने का डर भी रहता है। इसलिए चावलों में पानी हमेशा नाप कर ही डालें। जैसे कि एक कप बासमती चावल पकाने के लिए 1.5 से 2 कप पानी की जरूरत पड़ेगी।

बार-बार ढक्कन न खोलें- यदि आप बार-बार चावलों का ढक्कन खोलकर देखेंगे तो इससे भी चावल सही से नहीं पकेंगे। बार-बार बर्तन का ढक्कन खोलने से कई चावल अंदर से अधपके रह जाते हैं और चिपक जाते हैं, जो खाने में अजीब लगते हैं।

घर में बेलपत्र का पौधा लगाना है तो जानें वास्तु के नियम

बेल के पौधे को ज्योतिष और वास्तु में बहुत शुभ माना जाता है। इस पौधे की पत्तियों को हमेशा भगवान शिव की पूजा में अर्पित किया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि यदि आप इस पौधे को घर पर लगा रही हैं तो वास्तु के नियमों का पालन जरूरी है।

वास्तु की दृष्टि से बेल के पेड़ का महत्व

वास्तु शास्त्र में पेड़-पौधों का घर में स्थान बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। प्रत्येक पौधा न केवल पर्यावरण को सुंदर और हरा-भरा बनाता है, बल्कि यह घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करता है। यह ऐसे ही पौधों में से एक है जो घर में शुभता और समृद्धि लाने का काम करता है। यह घर में सुख, शांति और समृद्धि को बढ़ावा देता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, बेल का पेड़ घर में नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने का कार्य करता है। यह वातावरण को शुद्ध करता है और घर में शांति और समृद्धि को बढ़ाता है।

क्या घर में बेल का पौधा लगाना ठीक है?

घर में बेल का पौधा लगाना वास्तु शास्त्र और धार्मिक दृष्टिकोण से बहुत शुभ माना जाता है। विशेष रूप से यह पौधा भगवान शिव से जुड़ा है, इसलिए जिस स्थान पर ये पौधा होता है वहां भगवान शिव की कृपा दृष्टि सदैव बनी रहती है। मान्यता है कि इस पौधे को यदि आप अपने घर की सही दिशा में लगाती हैं तो सदैव शिव जी की कृपा दृष्टि बनी रहती है। यही नहीं इससे सकारात्मक ऊर्जा पूरे घर में फैलती है। हालांकि आप जब भी ये पौधा घर में लगाएं इसकी सही दिशा का ध्यान रखना बहुत जरूरी है और इस बात का भी ध्यान रखने की जरूरत है कि यह पौधा किसी भी कारण से सूखना नहीं चाहिए। आपको इस पौधे की नियमित देखभाल करनी चाहिए और इस पर समय-

समय पर जल चढ़ाना चाहिए।

वास्तु के अनुसार बेल के पौधे की सही दिशा क्या है?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, बेल का पौधा घर के उत्तर-पूर्व यानी ईशान कोण या उत्तर दिशा में ही लगाना सबसे शुभ माना जाता है। यदि आप इस दिशा में बेल का पौधा लगाती हैं तो जीवन में सदैव सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। इसके अलावा, बेल के पत्तों का प्रयोग भगवान शिव की पूजा में भी किया जाता है, जिससे घर में भगवान शिव की कृपा बनी रहती है और परिवार के सदस्य स्वस्थ रहते हैं।

आपके लिए यह ध्यान रखना भी महत्वपूर्ण है कि बेल का पौधा बहुत बड़े आकर का हो सकता है, इसलिए यदि आप इसे गार्डन में लगा रही हैं तो सही स्थान का ध्यान रखें और मुख्य द्वार से थोड़ी दूरी पर ही लगाएं। वैसे इस पौधे को आप यदि गमले में लगाएं तो वो भी आपके लिए शुभ माना जाता है। बेल का पौधा आपको पश्चिम दिशा में लगाने से बचना चाहिए, क्योंकि यह दिशा नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ा सकती है।

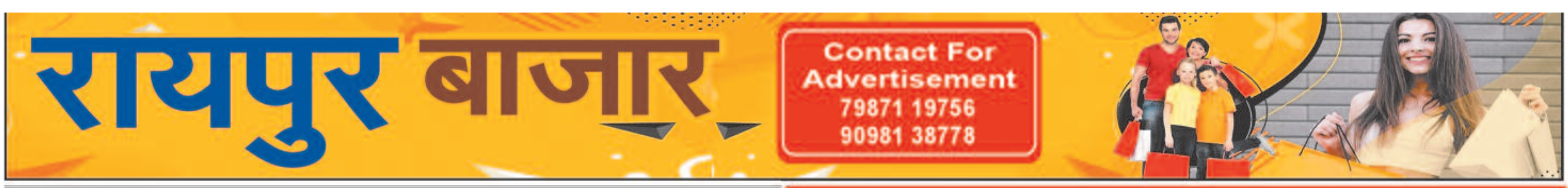

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

खत्म नहीं हुई 'मनी हाइस्ट' की कहानी नए टीजर ने दर्शकों का बढ़ाया उत्साह

अगर आपके पास अब भी लाल जंपसूट और मास्क की यादें ताजा हैं, तो तैयार हो जाइए, क्योंकि 'मनी हाइस्ट' की दुनिया अभी खत्म नहीं हुई है। लगभग पांच साल पहले शो का आखिरी सीजन आने के बाद अब नेटफ्लिक्स ने आधिकारिक तौर पर इशारा दिया है कि 'मनी हाइस्ट' फ्रेंचाइजी आगे भी जारी रहने वाली है।

दरअसल, 'बर्लिन सीजन 2' की रिलीज से पहले नेटफ्लिक्स ने एक नया टीजर जारी किया, जिसके कैप्शन में लिखा- 'मनी हाइस्ट की दुनिया जारी है।' इस टीजर ने फैंस के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है। हालांकि अभी यह साफ नहीं किया गया है कि अगला प्रोजेक्ट नया स्पिन-ऑफ होगा, 'मनी हाइस्ट' का सीजन 6 होगा या फिर पूरी तरह नई कहानी देखने को मिलेगी। 'बर्लिन'का दूसरा सीजन 15 मई को दुनियाभर में रिलीज हो चुका है। नेटफ्लिक्स ने इस अनाउंसमेंट को और भी खास बनाने के लिए सोशल मीडिया पर एक दमदार पोस्ट शेयर किया। पोस्ट में लाल जंपसूट पहने लोग, गोल्ड बार्स, पैसे और हथियार दिखाई दिए। साथ ही कैप्शन में लिखा गया- 'बेला चाओ अब भी गूंज रहा है मनी हाइस्ट की दुनिया जारी है।'

टीजर में पुराने सीजन्स की आइकॉनिक चोरी जैसे रॉयल मिंट और 'बैंक ऑफ स्पैन' की झलक भी दिखाई गई। इसके साथ ही यह इशारा भी मिला कि आने वाले समय में कहानी और भी बड़े लेवल पर देखने को मिल सकती है।

इतना ही नहीं, नेटफ्लिक्स ने इस ऐलान के लिए स्पेन के सेविले शहर में एक बड़ा पीआर स्टंट भी किया।

टॉलीवुड

शाहरुख ने 'जिंदगी का सबसे बड़ा कॉम्प्लिमेंट' दिया जगपति को

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान को लेकर टॉलीवुड स्टार जगपति बाबू ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने पुरानी फिल्म का किस्सा शेयर करते हुए ऐसा किस्सा बताया, जो अब सुर्खियों में आ गया है। किंग शाहरुख खान और टॉलीवुड स्टार जगपति बाबू अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री से जरूर आते हैं, लेकिन दोनों का एक खास फिल्मी कनेक्शन रहा है, जिसे शायद बहुत कम लोग जानते हैं। हाल ही में जगपति बाबू ने एक इंटरव्यू में इस दिलचस्प किस्से का खुलासा किया। जगपति बाबू ने बताया कि साल 1998 में आई तेलुगु फिल्म 'अंतापुरम' में उन्होंने एक अहम किरदार निभाया था। फिल्म में वह एक छोटे-मोटे चोर 'सराय वीरराजू' के रोल में थे, जो एक महिला और उसके बच्चे की मदद करते-करते अपनी जान तक कुर्बान कर देता है। इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। बाद में इसी फिल्म का हिंदी रीमेक 'शक्तिः द पॉवर' बनाया गया, जिसे उसी निर्देशक कृष्णा वामसी ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म में शाहरुख खान ने वही किरदार निभाया था, जो तेलुगु वर्जन में जगपति बाबू ने निभाया था। वहीं करिश्मा कपूर ने सौंदर्या वाला रोल निभाया था। जगपति बाबू ने बताया कि फिल्म के एक खास सीन को करते वक्त शाहरुख काफी परेशान हो गए थे। उन्होंने कहा, 'फिल्म के आखिर में एक स्मोकिंग और डेथ सीन था, जिसे शाहरुख ने रीक्रिएट किया। शायद वह सीन वैसा नहीं बन पा रहा था जैसा चाहिए था। उस समय उन्होंने गुस्से में कुछ कहा, जो मैं बता नहीं सकता, लेकिन वह मेरे लिए जिंदगी का सबसे बड़ा कॉम्प्लिमेंट था।' एक्टर ने आगे बताया कि बाद में जब उनकी मुलाकात शाहरुख खान से हुई, तो उन्होंने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने सच में उनके बारे में ऐसा कहा था।

भोजपुरी

'शरारत' का भोजपुरी वर्जन इंटरनेट पर छाया, लोग बोले : ये तो और भी मजेदार

बॉलीवुड के पॉपुलर गानों के भोजपुरी तड़का अक्सर लगाया जाता रहा है। अब हाल ही में 'धुरंधर' के सबसे मशहूर गाने 'शरारत' का भोजपुरी वर्जन भी आ गया है, जो इंटरनेट पर छाया हुआ है। इस भोजपुरी वर्जन पर लोग प्यार लुटा रहे हैं और खूब शेयर कर रहे हैं।

बीते साल 2025 में रिलीज हुई 'धुरंधर' ने बॉक्स ऑफिस पर तलहका मचा दिया था। जितना लोगों को ये फिल्म पसंद आई थी, उतना ही इसके गानों का क्रेज देखने को मिला था। आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी 'धुरंधर' का गाना 'शरारत' बहुत ही ज्यादा पॉपुलर हुआ था, जिसने व्यूज के मामले में कई बॉलीवुड सॉन्ग्स को पीछे छोड़ दिया था। 'धुरंधर' का आइटम सॉन्ग 'शरारत' आते ही सोशल मीडिया पर छा गया था। ये गाना धुरंधर फ्रेंचाइजी का सबसे ज्यादा देखा गया गाना है, जिसे यूट्यूब पर 599 मिलियन व्यूज आ चुके हैं। इस गाने की इतनी पॉपुलैरिटी को देखते हुए अब इसका भोजपुरी वर्जन भी सामने आया है, जिसे दो दिनों में 56 हजार से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं।

बॉलीवुड के गानों का भोजपुरी वर्जन बनाने का ट्रेंड काफी पुराना है। आए दिनों भोजपुरी आर्टिस्ट बॉलीवुड के गानों में भोजपुरी का तड़का लगाते हुए नजर आते हैं। अब एक बार फिर ऐसा ही कुछ हुआ है। 'धुरंधर' के 'शरारत' सॉन्ग का भोजपुरी वर्जन काफी वायरल हो रहा है। भोजपुरी स्टाइल में रिक्रिएट किए गाने को लोग काफी पसंद भी कर रहे हैं।

रोन का कलेक्शन

"कनाडा के अल्बर्टा में पिजन लेक रिज़र्वेशन में पली-बढ़ी, मूल निवासी डिज़ाइनर ओसामुस्कवासिस रोन इन दिनों सुर्खियों में है। वे क्री और डेने समुदाय से हैं और एर्मिनेस्किन क्री नेशन की एक रजिस्टर्ड सदस्य हैं। उनके परिवार में मोतियों का काम करने वाले कलाकारों की एक लंबी परंपरा रही है, इसलिए उन्हें अपनी संस्कृति की बारीक कारीगरी की तारीफ़ करने में ज़्यादा समय नहीं लगा। इसके कुछ ही समय बाद, उन्होंने खुद भी अपनी कलाकृतियाँ बनाना शुरू कर दिया। रोन वोग को बताती हैं, ₹मैं डिज़ाइन की दुनिया में उन पीढ़ियों से चली आ रही सीखों के ज़रिए आई, जो मुझे विरासत में मिली थीं।₹

सनस्क्रीन लगाने के बावजूद टैनिंग से काले हो रहे हाथ-पैर, कहीं ये गलतियां तो नहीं कर रहे

जिस तरह से गर्मी का असर लोगों की सेहत पर होता है, ठीक उसी तरह से गर्मी और तेज धूप लोगों की त्वचा पर भी प्रभाव डालती है। इस मौसम में सूरज की हानिकारक किरणें लोगों के चेहरे के साथ-साथ हाथ और पैरों को भी काला कर देती हैं। ऐसे में इससे बचने के लिए हर कोई सनस्क्रीन का इस्तेमाल करता है। सनस्क्रीन का सही इस्तेमाल आपकी स्किन को टैनिंग से बचाता है। पर, बहुत से लोगों को ये शिकायत रहती है कि सनस्क्रीन के इस्तेमाल के बावजूद उनकी त्वचा पर टैनिंग हो रही है। ऐसा कुछ गलतियों की वजह से भी हो सकता है। हम आपको इसी बारे में बताएंगे, ताकि आप भी सनस्क्रीन का सही से इस्तेमाल करें, जिससे आपकी स्किन गर्मी के मौसम में भी खिली-खिली रहे।

यदि आपके हाथ-पैर काले पड़ रहे हैं, लेकिन चेहरा ठीक है तो ध्यान दें कि कहीं आप हाथ-पैर पर तो सनस्क्रीन लगाना भूल नहीं रहे हैं। यदि हां तो ये एक बड़ी गलती है। हाथ-पैरों पर भी

सनस्क्रीन का इस्तेमाल उतना ही जरूरी है, जितना कि चेहरे पर। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो आपके हाथ-पैर अपने आप काले पड़ने लगेंगे।

आपके लिए ये जानना बेहद जरूरी है कि सनस्क्रीन का एसपीएफ कितना है ? 40 एसपीएफ से कम वाली सनस्क्रीन को लगाना न लगाना बराबर होता है। इसलिए हमेशा 40 से ज्यादा एसपीएफ वाली सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। ये आपकी त्वचा पर एक परत बना देती है, जिससे स्किन धूप की हानिकारक किरणों से बची रहती है।

ध्यान रखें कि यदि आपको घर से कहीं बाहर जाना है तो सनस्क्रीन का इस्तेमाल कम से कम 20 मिनट पहने करें। सनस्क्रीन को त्वचा पर सेट होने के लिए थोड़े समय की जरूरत होती है। ऐसे में बाहर जाने से कम से कम 20 मिनट पहले स्किन पर सनस्क्रीन अप्लाई करें।

सनस्क्रीन को सिर्फ एक बार लगाकर नहीं छोड़ देना है। यदि आप ऐसी जगह रहते हैं, जहां भीषण धूप होती है तो बार-बार सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। इसका इस्तेमाल आपको हर दो से तीन घंटे में करना है। क्योंकि पसीने की वजह से सनस्क्रीन साफ हो जाती है। सनस्क्रीन के इस्तेमाल में बिल्कुल भी कंजूसी न करें। हमेशा एक रुपये के सिक्के जितनी मात्रा में सनस्क्रीन लेकर उसे हाथ-पैर और चेहरे पर लगाएं।

बनारसी साड़ी को नए अंदाज में करें कैरी, देखकर लोग नजरें नहीं हटा पाएंगे

बनारसी साड़ी को अलग अंदाज में कैरी करके अपना लुक बदलना चाहती हैं, तो हमारे द्वारा बताई गई इन टिप्स को फॉलो करें। साड़ी एक ऐसा परिधान है, जिसे महिलाएं हर मौके पर पहनना पसंद करती हैं। बात करें साड़ियों के टाइप की तो ज्यादातर महिलाओं को बनारसी साड़ी पसंद आती है। उत्तर प्रदेश के बनारस में बनने वाली ये बनारसी साड़ी शादी-विवाह से लेकर पूजा-पाठ के मौके के लिए भी सबसे सही विकल्प मानी जाती हैं। महिलाएं तो बनारसी साड़ी को बड़े चाव से पहनती हैं, लेकिन युवा लड़कियों को पारंपरिक परिधान में मॉडर्न टच देना पसंद आता है। इसी के चलते हम आपको बताएंगे कि कैसे आप अपनी पुरानी बनारसी साड़ी को अलग और नए अंदाज में कैरी कर सकती हैं। इससे आपको पुरानी से पुरानी साड़ी भी दोबारा नए तरह से इस्तेमाल हो जाएगी।

सिंपल ब्लाउज को करें ना

पहनें केप

आजकल महिलाओं के बीच केप का काफी ट्रेंड है। केप हर तरह के आउटफिट के साथ अच्छा लगता है। साड़ी के पल्लु को अच्छी तरह से ड्रेप करके अगर आप केप पहनेंगी तो आपका अंदाज काफी अलग और नया लगेगा। इसके लिए मैचिंग की जगह एक दम कॉन्ट्रास्ट का केप खरीदें, ताकि उसका लुक अच्छा दिखे।

बेल्ट लगाएं

बॉस लेडी लुक कैरी करना है तो आप साड़ी के साथ लेदर बेल्ट लगा सकती हैं। लेदर बेल्ट की वजह से आपका लुक काफी अलग और स्टाइलिश दिखेगा। ध्यान रखें कि ये बेल्ट आउटफिट से मैच खाती हो। इसके साथ ज्यादा चौड़ी बेल्ट का इस्तेमाल तो कतई न करें।

धोती स्टाइल में पहनें

यदि सिंपल साड़ी पहनते-पहनते आप बोर हो गई हैं तो अपनी खास बनारसी साड़ी को धोती स्टाइल में पहनें। धोती स्टाइल में साड़ी पहनने से आप सजह भी रहेंगी, और बार-बार आपको इसके खुलने का डर भी नहीं होगा। ज्यादातर महिलाएं बनारसी साड़ी के साथ पारंपरिक ज्वेलरी कैरी करना पसंद करती हैं, लेकिन यदि आपको अपना लुक अलग रखना है तो टिपिकल एथनिक ज्वेलरी की जगह कुछ अलग हटकर पहनें।

नहाते समय कहीं आप भी तो नहीं करते ये गलतियां

गर्मी के मौसम में राहत पाने का सबसे अच्छा तरीका है नहाना। यही वजह है कि इस मौसम में तो लोग दो से तीन बार नहा लेते हैं। इस मौसम में बार-बार नहाना अच्छा माना जाता है, क्योंकि इससे शरीर को राहत मिलती है और पसीने की बदबू से भी छुटकारा मिलता है।

गर्मी में भी गर्म पानी का इस्तेमाल

बहुत से लोग इस भीषण गर्मी के मौसम में भी गर्म पानी से नहाते हैं। जबकि गर्मी पानी से तो ठंड के मौसम में भी नहीं नहाना चाहिए। गर्म पानी त्वचा के प्राकृतिक तेल को खत्म कर देता है, जिस कारण स्किन काफी रूखी होने लगती है। ऐसे में हमेशा ठंडे पानी से ही नहाएं। यदि आप गर्म पानी से नहा भी रहे हैं तो याद रखें कि ये पानी एकदम हल्का गुनगुना होना चाहिए।

देर तक नहाना

गर्मी के मौसम में शॉवर चलाकर नहाना हर किसी को अच्छा लगता है। उसके सामने से तो हटने का मन ही नहीं करता। यदि आप भी देर

तक नहाते रहते हैं, तो आपको भी संभलने की जरूरत है। ज्यादा देर तक नहाने से त्वचा की नमी खत्म होने लगती है। 10 मिनट नहाने के लिए काफी पर्याप्त माने जाते हैं।

ज्यादा साबुन घिसना

नहाते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि ज्यादा साबुन घिसने से कभी भी त्वचा की सफाई नहीं होती। एक बार साबुन लगाकर आपको हाथ से ही त्वचा की गंदगी को साफ करना होगा। ज्यादा साबुन लगाने से भी स्किन डैमेज होने लगती है, इसलिए ऐसा कभी न करें।।

खरीदने से पहले जान लें लेस और गोटा पत्ती में फर्क

महिलाओं को बहुत अच्छे से पता होता है कि किस कपड़े को कैसे स्टाइल करना है। वो सादे से कपड़ों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए कुछ न कुछ ऐसा ढूंढ ही लेती हैं, जो उनके लुक को पूरी तरह से बदल देता है। खासतौर पर एथनिक आउटफिट में चार चांद लगाने के लिए आपने भी कभी न कभी गोटा पत्ती और लेस का इस्तेमाल किया होगा। महिलाएं कपड़े पर क्या सूट करेगा, वो इस्तेमाल तो कर लेती हैं, लेकिन उन्हें इन दोनों चीजों का फर्क ही नहीं पता होता है। इसी के चलते हम आज के लेख में आपको लेस और गोटा पत्ती में फर्क बताएंगे, ताकि आप भी अपने आउटफिट के लिए सही चीज का चयन कर सकें।

कैसे हुई लेस की उत्पत्ति

कपड़ों की खूबसूरती बढ़ाने वाली लेस की उत्पत्ति 16वीं शताब्दी में यूरोप से हुई। उस वक्त इसके दो मुख्य प्रकार, सुई लेस और बॉबिन लेस विकसित हुए, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। शुरुआती दिनों में ये लिनन या रेशम के धागे से बनाई जाती थी, लेकिन आज के समय में इसे बनाने में कॉटन, नेट, नायलॉन, पॉलिएस्टर के धागों का इस्तेमाल भी किया जाता है।

कैसी होती है बनावट ?

अब बात करते हैं लेस की बनावट की तो इसकी बनावट काफी जालीदार, मुलायम, हल्की होती है। यही वजह है कि रोजाना पहनने वाले कपड़ों में भी लेस का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसका इस्तेमाल ज्यादातर कुर्ती, गाउन, टॉप, दुपट्टा, साड़ी के बॉर्डर तैयार करने में किया जाता है। अब जानते हैं कि लेस का इस्तेमाल क्यों होता है और इसकी कीमत क्या रहती है। तो आपको बता दें कि आमतौर पर लेस काफी सस्ती आती है। यही वजह है कि रोजाना पहनने वाले कपड़ों में भी लोग इसे लगा लेते हैं।

कार्नर न्यूज

पुरुषों के स्टाइल का होता है अलग पैमाना

मेंस फैशन में सबकी पसंदीदा है क्रॉप्ड पैंट, सही स्टाइल अपनाएंगे तो मिलेगा परफेक्ट लुक

फैशन पर सिर्फ महिलाओं की समझ और पसंद को जरूरी नहीं माना जा सकता है। पुरुषों के स्टाइल का भी अपना अलग एक पैमाना है। इस पैमाने पर खरा उतरने के लिए पुरुषों को भी कई सारे नियम-कायदे ध्यान रखने होते हैं। ताकि वो परफेक्ट दिखें और फैशन की दुनिया में पीछे न रह जाएं।

इसलिए फैशन को अपनाइए और क्रॉप्ड पैंट पहनने का सही तरीका जानिए। वही क्रॉप्ड पैंटन जो नीचे से थोड़ी ऊंची और पसंद के मुताबिक थोड़ी टाइट भी होती है।

इस पैंट को यूंहीं खरीद कर पहन लेने की सोचिएगा भी नहीं क्योंकि इसको पहनने का एक खास तरीका होता है। सबसे पहले तो इसी सवाल का जवाब जानिए कि पैंट ऊंची हो तो कितनी?

इसका जवाब है ये पेंट जूतों से 3 इंच ऊपर होनी चाहिए और मिड काल्फ से नीचे भी। अब सवाल ये है कि इन पैंट की फिट को कितना स्लिम या वाइड होना चाहिए?

इसके लिए आपको अच्छे फिट वाली स्किनी या स्लिम कट जींस पहननी चाहिए। लेकिन मूवमेंट के

लिए इसमें जगह होनी चाहिए।

अब इस पैंट को स्टाइल करने की बात करते हैं तो आपको इनमें नेवी, ब्लैक और सफेद रंगों का चुनाव करना चाहिए। इसके अलवा अगर आप कोई और रंग चुनते हैं तो रॉयल ब्लू, बरगंडी वगैरह चुने जा सकते हैं।

इन पैंट के साथ जूते चुनते हुए भी सावधानी बरतें। इनके साथ ऐसे जूते पहनें, जिनमें मोजे पहने बिना काम चल जाए। या फिर आप बिना मोजों के ही जूते पहनें।

इसके साथ आप स्लिप आन स्टाइल के जूते पहन लें, वो आपके लुक को बेस्ट बना देंगे। लेस अप केनवास शूज का चुनाव भी अच्छे रहेगा। क्रॉप्ड पैंट को ब्लेजर के साथ पहनना भी स्टाइल से जुड़ा जरूरी और बेहतरीन निर्णय हो सकता है।